

कड़वा

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

बड़ी खुशी हुई आपसे मिलकर
यह कहते हुए क्या आप वाकई खुश थे?
क्या आप तभी खुश होंगे जब
शेर खा रहे होंगे घास
खरगोश खा रहे होंगे मांस।
हाथी को पेड़ पर चढ़ते देखना चाहते हैं
उड़ती हुई मछलियाँ, तैरते हुए परिंदे
ऊँट को रैम वाक करते...और
उछू को दिन में सौदा खरीदते
कौन-कौन देखना चाहते हैं?
ये दृश्य आपको ऊटपटाँग लगे?
फिर आप क्यों चाहते हैं कि
कोई आपकी इच्छाओं का पालन करे
आपकी गुलामी बजाए।
अब आप ईमानदारी से सच्चे मन से बताएँ
अपने बच्चे को क्या बनाना चाहते हैं?
आखिर वो भी तो कुछ चाहता होगा
चाहतों की लंबी सूची में
कोई सिसक रहा है-आपने देखा, सुना?
सभी के सपनों का रंग अलग होता है।

- रमेश कुमार सोनी

नड्डा बोले- लोक-लुभावने वादे करके भुलाना कांग्रेस की नीति

रीवा में कहा- मैं, मेरा बेटा, बेटी और दामाद से बाहर इनको कुछ नहीं दिखता

टीकमगढ़, रीवा, सतना (नप्र)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मंगलवार 23 अप्रैल को मध्यप्रदेश दौर पर हैं। रीवा में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हर चुनाव में लोक-लुभावने वादे करना और उसके बाद भुला देना कांग्रेस की नीति है। सारे परिवार की पार्टियाँ इकट्ठी हो गई हैं। इनको मैं, मेरा बेटा, बेटी और दामाद के बाहर कुछ नहीं दिखता।

इससे पहले टीकमगढ़ में चुनावी सभा में जेपी नड्डा ने कहा- कांग्रेस ने न अंतरिक्ष छोड़ा, न आसमान छोड़ा, न समुद्र छोड़ा, न धरती छोड़ी और न ही पाताल छोड़ा। इन लोगों ने तीनों लोक में घोटाले किए हैं। आप बताओ, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, लालू यादव बेल पर हैं कि नहीं। केजरीवाल और टीएमसी के मंत्री जेल



में हैं कि नहीं। ये आधे बेल पर हैं और आधे जेल में हैं। नड्डा रीवा से सतना खाना हो गए हैं। ये यहां भी चुनावी सभा करेंगे। नड्डा 21 दिन में तीसरी बार एम्पी आए हैं।

विपक्षी दलों के घोटाले गिनाए- मुलायम यादव के बेटे अखिलेश ने गोमती रिवर फ्रंट, लैपटॉप, फूड ग्रैन घोटाला, केजरीवाल ने शराब और दवाई घोटाला, डीएमके ने बालू घोटाला, टीएमसी ने टीचर भर्ती घोटाला, कांग्रेस ने कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला किया।

इंडी अलायंस का मोटिव- सब घोटालेबाज इकट्ठे आ गए। हम तुम्हें बचाएँ, तुम हमें बचाओ। इस काम में लगे हैं। ये अपनी रैली करते हैं तो अपने दो मुख्यमंत्री के लिए कुर्सी खाली रखते हैं। कहते हैं कि हमारे मुख्यमंत्री जेल में हैं, वे आएं तो बैठेंगे।

प्रसंगवश

जम्मू-कश्मीर में बिखरा विपक्ष : खंडित राजनीति से किसे फायदा?

शाकिर मीर

4 अगस्त 2019 की रात को, कश्मीर स्थित लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपनी दूरियां खत्म कीं और धारा 370 को रद्द किए जाने का संयुक्त रूप से विरोध करने के लिए एक साथ आए। लगभग सात दलों के नेता गुफ्फर की तलहटी में पहुंचे। इस तरह की राजनीतिक पहल एक व्यापक आधार वाली एकता का संकेत दे रही थी। इससे लगा कि बीजेपी के लिए मामले जटिल हो जाएंगे क्योंकि, वह इस पूर्ववर्ती राज्य की स्वायत्त स्थिति को खत्म करने के लिए आगे बढ़ी थी।

लेकिन फिर भी चार साल से अधिक समय के बाद, ऐसी एकता लगभग समाप्त हो गई है। अब इस केंद्र शासित प्रदेश में 2019 के बाद से पहला बड़ा चुनाव हो रहा है। जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य में बिखराव वहां की दो सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी- नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के निर्णय से और भी बदतर हो गया है। दोनों ने फैसला किया है कि गठबंधन में चुनाव लड़ने के बजाय दोनों अलग-अलग लड़ेंगे। लेकिन स्थिति यहां तक कैसे पहुंची? जम्मू-कश्मीर में पांच संसदीय सीटें हैं। इनमें से दो हिंदू-बहुल जम्मू क्षेत्र में और तीन मुस्लिम-बहुल कश्मीर में हैं। 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान, बीजेपी ने जम्मू की दो सीटें जीती थीं। जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कश्मीर में तीन सीटें जीतीं। लेकिन तब से कश्मीर में परिसीमन के बाद चुनावी नक्शा बदल गया है। इससे नए निर्वाचन क्षेत्र बने और मौजूदा निर्वाचन क्षेत्रों को नया रूप दिया गया। इस वजह से राजनीतिक समीकरण, जिस पर पारंपरिक पार्टियां भरोसा करती

थीं, व्यावहारिक रूप से निष्क्रिय हो गया है।

शोपियां और पुलवामा जैसे दक्षिण कश्मीर सीट के कुछ इलाके, जो परंपरागत रूप से पीडीपी के गढ़ रहे हैं, उन्हें मध्य कश्मीर सीट में मिला लिया गया है। श्रीनगर निर्वाचन क्षेत्र के कुछ क्षेत्र, जैसे बीरवाह और बडगाम (दोनों एनसी के गढ़) अब उत्तरी कश्मीर सीट में हैं। इसी तरह, राजौरी और पुंछ क्षेत्र जो जम्मू निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा थे, उनको दक्षिण कश्मीर से जोड़ दिया गया है। यहां भी बीजेपी पहाड़ी आबादी को आरक्षण का लाभ देकर अपने साथ जोड़ रही है।

यह एकमात्र परिवर्तन नहीं है जो हुआ है। कम से कम दो नई पार्टियों के आने के साथ जम्मू-कश्मीर का राजनीतिक कैमनावास भी व्यापक हो गया है। इसमें से एक का नेतृत्व पूर्व कांग्रेस नेता, गुलाम नबी आजाद कर रहे हैं और दूसरे का नेतृत्व पीडीपी के दलबदल और पूर्व मंत्री अल्लाफ बुखारी कर रहे हैं। और सज्जाद लोन के नेतृत्व वाली पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (पीसी) के भी मैदान में होने से, जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक क्षितिज में अब बहुत सारे चमकदार सितारे हैं।

बीजेपी ने अनुमान लगाया, और शायद सही भी, कि इस पैमाने पर एक बड़ा फेरबदल जम्मू-कश्मीर में विपक्ष को एकजुट करने के प्रयास को विफल कर सकता है। वजह है कि घटक दल अपने-अपने हितों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस साल 16 फरवरी को ठीक ऐसा ही हुआ जब एनसी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने घोषणा की कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेगी। पीडीपी दो समूहों - इंडिया अलायंस और पीपुल्स अलायंस फॉर गुफ्फर डिक्लेरेशन के माध्यम से एनसी से जुड़ी हुई थी। लेकिन फारूक के इस फैसले ने उसे आश्चर्य की स्थिति में डाल दिया था।

पीडीपी उम्मीद कर रही थी कि उसके सहयोगी (इसे एनसी पढ़ें) दक्षिण कश्मीर सीट छोड़ देंगे, जहां पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को सीधे बीजेपी से मुकाबला करना था। लेकिन एनसी ने यहां से अपने खुद के उम्मीदवार मियां अल्लाफ को उतार दिया है, जो खानाबदोश गुज्जर समुदाय के सम्मानित धार्मिक नेता हैं। उन्हें मैदान में उतारने के पीछे का समीकरण यह है कि पुंछ और राजौरी क्षेत्र में गुज्जर आबादी काफी है और वहां उनका नाम मतदाताओं के बीच गुंजाता है। अब यह दोनों क्षेत्र दक्षिण कश्मीर सीट का हिस्सा हैं।

बीजेपी ने अपनी ओर से दक्षिण कश्मीर सीट पर कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है। इसके बजाय, कश्मीर में बीजेपी के अनौपचारिक सहयोगी अल्लाफ बुखारी के नेतृत्व वाली पार्टी ने पहाड़ी उम्मीदवार जफर इकबाल मन्हास को मैदान में उतारा है। इनमें से प्रत्येक जिले में पहाड़ी बहुसंख्यक हैं, और बीजेपी का अनुमान है कि पहाड़ी बीजेपी या उसके सहयोगी किसी भी उम्मीदवार को वोट देंगे क्योंकि सरकार ने उन्हें हाल ही में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिया है।

श्रीनगर संसदीय सीट पर एनसी ने प्रमुख शिया मुस्लिम नेता आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी को मैदान में उतारा है। एक बार फिर, यहां उम्मीदवार का चयन परिसीमन के कारण उत्पन्न नई चुनावी वास्तविकताओं से प्रेरित प्रतीत होता है। पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गिफर बदलने का फैसला किया है, और बड़ी-दांव वाली लड़ाई को सज्जाद लोन के घरेलू मैदान में ले जाने का फैसला किया है। उमर अब्दुल्ला उत्तरी कश्मीर (बारामूला) से चुनाव लड़ रहे हैं।

सीनियर एडिटर और विश्लेषक जफर चौधरी ने

बताया, 'एनसी के दृष्टिकोण से, श्रीनगर में जीत तय है...। इससे महबूबा मुफ्ती दक्षिण में एनसी के मियां अल्लाफ के साथ आमने-सामने की लड़ाई में फंस गई हैं। जबकि उनकी पार्टी ने एक प्रभावशाली युवा नेता वहीद रहमान पारा को श्रीनगर से मैदान में उतारा है, जिन्हें मोदी सरकार ने आतंकवाद के आरोप में जेल में डाल दिया था और अब वो जमानत पर बाहर हैं। पारा को यहां से उम्मीदवार बनाए जाने को इस तथ्य से भी समझाया जाता है कि पुलवामा के कुछ हिस्से, जो पहले दक्षिण कश्मीर सीट का हिस्सा थे, अब श्रीनगर निर्वाचन क्षेत्र के साथ हैं। इसी में उनका गुहनगर तहाब भी शामिल है। जबकि उत्तरी कश्मीर में पार्टी पूर्व सांसद मीर मोहम्मद फैजाज को उम्मीदवार बना रही है।'

एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए गुलाम नबी आजाद अंतिम क्षण में चुनावी दौड़ से बाहर हो गये। ऐसा लगता है कि मैदान में अन्य दो पार्टियां, बुखारी की अपनी पार्टी (एपी) और सज्जाद लोन की पीसी ने एक-दूसरे के साथ एक मौन सहमति बना ली है। सज्जाद लोन जहां केवल उत्तरी कश्मीर सीट (बारामूला) से चुनाव लड़ रहे हैं, वहीं बुखारी ने दक्षिण कश्मीर के अलावा श्रीनगर में भी एक उम्मीदवार खड़ा किया है।

राजनीतिक विशेषज्ञों ने कहा कि क्षेत्रीय दलों के बीच एक बढ़ती एकता को रोकने की यह प्रवृत्ति बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की नीतियों में सक्रियता से रही है। सीनियर एडिटर और संपादक और विश्लेषक चौधरी ने कहा, 'कश्मीर को स्थायी संघर्ष का स्थल बनाने में एक प्रमुख कारक सत्ता की राजनीति रही है। 1953 से ऐसा ही हो रहा है।'

(द किंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

ओटीपी फ्रॉड करने वालों की अब खैर नहीं!

- सरकार ला रही अचूक प्लान, होगी तुरंत पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोबाइल से पैसे उड़ाने के खेल में ओटीपी अहम रोल अदा करता है। कस्टमर केयर एजेंट और दोस्त बनकर ओटीपी हासिल करके ऑनलाइन फ्रॉड को अंजाम दिया जाता है।

साथ ही कई बार सिम बंद



होने, बैंक अकाउंट बंद होने और बिलजी कनेक्शन कटने का डर दिखाकर केवाई अपडेट के नाम पर ओटीपी फ्रॉड किया जाता है। हालांकि अब इस तरह के सारे फ्रॉड बंद होंगे, क्योंकि सरकार एक अचूक प्लान लेकर आ रही है, जिससे ऑनलाइन फ्रॉड करने वालों की तुरंत पकड़ होगी।

अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से फिर लगा झटका

न्यायिक हिरासत की अवधि अब सात मई तक बढ़ी



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की अवधि सात मई तक बढ़ा दी है। बीआरएस नेता के. कविता की न्यायिक हिरासत भी बढ़ाई गई है। दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राउज एक्वेन्यू कोर्ट ने मंगलवार न्यायिक हिरासत सात मई तक बढ़ा दी है। सात मई को दोबारा इस मामले की अगली सुनवाई होगी। बीते 15 अप्रैल को कोर्ट की ओर से इस मामले में अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की अवधि को आज यानी 23 अप्रैल तक के लिए बढ़ाया था।

वहीं दिल्ली हाई कोर्ट ने आवकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जारी समन को चुनौती देने वाली उनकी याचिकाओं पर सुनवाई सोमवार को 15 मई के लिए सूचीबद्ध कर दी। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत को पीठ ने एजेंसी की ओर से सौंप गए जवाब पर एपी के नेता को जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। इससे पहले, हाई कोर्ट ने दंडात्मक कार्रवाई से उन्हें अंतरिम संरक्षण प्रदान करने से इनकार कर दिया था।

आज पीएम मोदी मध्यप्रदेश आएंगे

सीएम यादव बोले- दुल्हन की तरह सजेगा भोपाल



भोपाल में पीएम का एक किमी का रोड शो पूरा भगवामय रहेगा, सागर-हरदा में मोदी की सभा

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को मध्यप्रदेश के दौर पर रहेंगे। पीएम मोदी आचार संहिता के दौरान 5वीं बार आज सागर और हरदा में सभा करने के बाद भोपाल में रोड शो करेंगे। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल में होने वाला रोड शो ऐतिहासिक होगा और चुनाव के दौरान पीएम के एम्पी दौर का रिकॉर्ड भी बनेगा। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि पीएम मोदी का रोड शो एक किमी का होगा। रोड शो में 200 से अधिक मंचों पर अलग-अलग प्रकार से पीएम मोदी का अभिनंदन होगा। कलाकार, साधु- संत, अलग-अलग वर्गों के लोग पीएम मोदी का स्वागत रोड शो में करेंगे। भोपाल दुल्हन की तरह सजेगा। बंगाली समाज की बहनें शंख ध्वनि के साथ अभिनंदन करेंगी। व्यापारी भी अपने प्रतिष्ठान से पीएम मोदी का स्वागत, अभिनंदन करेंगे। सांस्कृतिक झांकियां भी रहेंगी।

कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए- सीएम- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी तरह के संसाधनों पर हक देश के सभी वर्ग के लोगों का है। कांग्रेस ने मेनिफेस्टो में वर्ग विशेष के लिए संसाधनों पर हक की बात लिखकर निंदनीय काम किया है। इसके लिए कांग्रेस को देश के सभी वर्गों के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। पीएम मोदी की ओर से मध्यप्रदेश को दी गई सौगातों का हिसाब लगाएं तो पता चलता है कि सवा लाख करोड़ की सौगातें मिली हैं। सौ दिन में पार्वती-काली सिंध-चंबल नदी परियोजना और केन-बेतवा परियोजना की सौगात पीएम मोदी ने दी है।

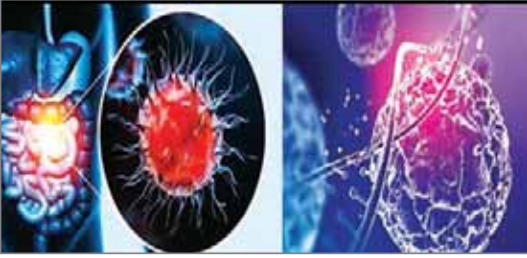
कांग्रेस के मेनिफेस्टो में वर्ग विशेष की बात निंदनीय- सीएम यादव ने कहा कि मैंने कांग्रेस का मेनिफेस्टो देखा, जिसमें लिखा है कि किसी वर्ग विशेष के लिए बात कही गई है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी कहा था कि सभी तरह के संसाधनों पर हक मुसलमानों का है। कांग्रेस के मेनिफेस्टो में फिर इस बात को कहा गया है। इसके लिए कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए। इस बात की मैं निंदा करता हूँ।



कैंसर के लाखों मरीजों के लिए मिलने वाली है बड़ी खुशखबरी!

सूखे खून के एक कतरे से हो जाएगी जांच,नई स्टडी बनेगी वरदान

वाशिंगटन (एजेंसी)। मेडिकल साइंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित तकनीक का इस्तेमाल कैंसर से पीड़ित मरीजों के लिए संभावना के नए द्वार खोलने वाला साबित हो रहा है। एक नए अध्ययन में सामने आया है कि एआई आधारित टेस्ट के जरिए अब सूखे खून के एक कतरे से कैंसर का सटीक पता लगाया जा सकता है। अध्ययन में किए गए प्रारंभिक प्रयोगों में उपकरण को कैंसर का पता लगाने में केवल कुछ मिनट लगे। इसके साथ ही यह अग्न्याशय, गैस्ट्रिक या कोलोरेक्टल कैंसर वाले रोगियों और बिना कैंसर वाले लोगों के बीच अंतर करने में सक्षम था। शोधकर्ताओं का कहना है कि खून



में कुछ रसायनों का पता लगाकर टेस्ट के लिए जरिए लगभग 82 से 100 प्रतिशत मामलों में कैंसर का पता लगाया जा सकता है।

लाइव साइंस की रिपोर्ट के अनुसार, नए उपकरण में मशीन लर्निंग का इस्तेमाल किया गया है, जो ब्लड सैंपल में मेटाबोलाइट्स के बाई प्रोडक्ट का विश्लेषण करता है। मेटाबोलाइट्स खून के तरल हिस्से में पाए जाते हैं, जिन्हें सीरम के रूप में जाना जाता है। ये मेटाबोलाइट्स बायोमार्कर के रूप में काम करते हैं, जो शरीर में संभावित रूप से कैंसर की उपस्थिति का पता लगा सकते हैं। इस टेस्ट को विकसित करने वाले चीन के वैज्ञानिकों ने सोमवार को नेचर सस्टेनिबिलिटी जर्नल में प्रकाशित एक पेपर में अपने निष्कर्षों के बारे में बताया है। स्टडी के नतीजे इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दुनिया सबसे घातक कैंसरों में से कुछ होने के बावजूद, अग्न्याशय, कोलोरेक्टल और गैस्ट्रिक कैंसर के लिए अभी कोई ब्लड टेस्ट नहीं है जो बीमारी का सटीक पता लगाने में सक्षम हो।

संक्षिप्त समाचार

- मुख्तार की मौत के 26 दिन बाद आई बिसरा रिपोर्ट

जहर से नहीं, हार्ट अटैक से हुई मौत

बांदा (एजेंसी)। मुख्तार अंसारी की मौत के 26 दिन बाद उसकी बिसरा रिपोर्ट आ गई है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें कहा गया है कि मुख्तार को मौत जहर से नहीं, बल्कि हार्ट अटैक से हुई थी। बिसरा रिपोर्ट न्यायिक जांच टीम को भेज दी गई है। यह रिपोर्ट इसलिए अहम है क्योंकि 21 मार्च यानी मौत से 7 दिन पहले खुद मुख्तार ने बारंबकी कोर्ट में



एप्लिकेशन दी थी। इसमें उसने दावा किया था कि जेल में उसकी हत्या की साजिश हो रही है। उसे खाने में स्लो पॉइजन दिया जा रहा है। मुख्तार की मौत के बाद उसके सांसद भाई अफजाल अंसारी और बेटे उमर अंसारी ने भी मुख्तार को जहर दिए जाने का आरोप लगाया था। अफजाल अंसारी ने कहा था कि उनके पास जेल में मुख्तार को जहर देने के सबूत हैं, जिसे समय आने पर सबके सामने रखेंगे। चित्रकूट एसपी ने मुख्तार की बिसरा रिपोर्ट आने की पुष्टि की है। हालांकि, रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई है। मुख्तार अंसारी बांदा जेल में बंद था।

पूर्णिया में नीतिश बोले-नरेंद्र मोदी को पीएम बनाना है

- बिहार में 40 और देश में 400 सीट जीतेंगे
- किशनगंज में कहा-हमने मटरसों को मान्यता दी

किशनगंज, पूर्णिया (एजेंसी)। मंगलवार को सीएम नीतिश कुमार ने चार जिलों में चुनाव प्रचार किया। पूर्णिया में संतोष कुशवाहा के समर्थन में मुख्यमंत्री ने वोट मांगा। सभी को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा है कि हम बिहार में 40 और देश में 400 सीटें जीतेंगे। नरेंद्र मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। सीएम ने बीमा भारती पर जमकर निशाना साधा। कहा कि हमसे मिली तो पहले बोल नहीं पाती थी, बोलना सिखाया। विधायक फिर मंत्री बनाया। मंत्री बनाने की जिद कर रही थी,



मंत्री बनाने से हम इनकार कर दिए तो इधर से उधर चली गई। जाती हैं तो जाए हम थोड़े ही रोकेंगे। उन्होंने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि नया लड़का वोट मांगने जा रहा है, जो काम सरकार ने किया है उसे याद रखिएगा। ये सब अपने में ही लगे रहते हैं। ये आपके लिए कुछ नहीं कर पाएंगे। मुख्यमंत्री किशनगंज के बेलवा में जदयू प्रत्याशी मुजाहिद आलम के समर्थन में सभी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुसलमानों के लिए लोग सिर्फ बोलते हैं, हमने किया है। मैंने जो किया वो भूलना मत, आप लोगों के लिए बहुत सारा काम किया है, आगे भी करेंगे। सीएम ने कहा हमने कब्रिस्तानों की घेराबंदी की।

मौसम के मिजाज ने फिर डराया ! और बढ़ेगा संकट

40 डिग्री के पार होगा तापमान,अगले 5 दिन तक लू का कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में भीषण गर्मी और लू की मार ने लोगों को बेहल कर दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का कहना है कि अभी इससे राहत मिलने के आसार नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी भारत के बड़े हिस्से में हीट वेव अगले 5 दिन तक जारी रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार, 15 अप्रैल से ओडिशा में और 17 अप्रैल से पश्चिम बंगाल में गंगा के किनारे वाले क्षेत्रों में लू की स्थिति बनी हुई है। तटीय आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक, गोवा, केरल, पश्चिम बंगाल और बिहार में उच्च आर्द्रता लोगों को परेशानी बढ़ा सकती है। आईएमडी के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अगले 3 दिन में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। दिल्ली में मंगलवार को दिन में आसमान साफ रहने और तेज हवा चलने का अनुमान जताया है। आज राजधानी में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38 और 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। दिल्ली में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, आने वाले दिनों में लू चलने की कोई संभावना नहीं है, लेकिन अगले तीन से चार दिन में दिल्ली का तापमान 40 डिग्री

सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। श्रीवास्तव ने कहा कि नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिमी भारत के करीब पहुंचेगा, लेकिन इसका राजधानी पर कोई असर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इसलिए आने वाले सप्ताह में दिल्ली में आसमान साफ रहेगा और बारिश का भी कोई पूर्वानुमान नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, अप्रैल में देश के विभिन्न हिस्सों में सामान्यतः एक से तीन दिन की अवधि की तुलना में चार से आठ दिन लू रहने का संभावना है। पूरे अप्रैल-जून की अवधि में सामान्यतः चार से आठ दिन की तुलना में 10 से 20 दिन तक हीट वेव की संभावना है। यह स्थिति तब पैदा होती है, जब मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस, तटीय क्षेत्रों में 37 डिग्री और पर्वतीय क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।

पार्टी कार्यकर्ता ही हमारी ताकत है, मिलकर कांग्रेस को जिताएंगे : डागा

हमें जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है : श्रीवास्तव



हम और अपनी पार्टी जनता अपेक्षाओं पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे। बैठक में

अवनीश भार्गव, अनेखी पटेल सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कश्मीर में पाकिस्तान आतंकियों के पास मिले अमेरिकी हथियार

राजौरी टारगेट किलिंग में घटनास्थल से मिली अमेरिका में बनी एम 4 राइफल की बुलेट्स



श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में हुई टारगेट किलिंग में अमेरिकी राइफल का इस्तेमाल किया गया है। दरअसल, सोमवार को आतंकियों ने राजौरी में मोहम्मद रज्जाक नाम के एक सरकारी कर्मचारी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। छानबीन के बाद पुलिस ने बताया कि हत्या के पीछे पाकिस्तानी आतंकियों का हाथ था। उन्होंने अमेरिका में बनी एम 4 राइफल और पिस्टल का इस्तेमाल किया। घटनास्थल से पुलिस ने इस राइफल की कई बुलेट बरामद की है। हमलावरों को पकड़ने के लिए सेना और पुलिस ने इलाके में घेराबंदी कर दी है। इससे पहले साल 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद भारतीय सेना को कश्मीर के कई हिस्सों में आतंकियों के पास से एम 4 राइफल मिली थीं। दिसंबर 2020 में भी एक मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 6 आतंकियों को मार गिराया था। इन सबके पास से अमेरिकी हथियार बरामद हुए थे। एम 4 राइफल को सटीक निशाने और रात में निशाना साधने के लिए जाना जाता है। इसमें मामूली बदलाव कर इसे ग्रेनेड लॉन्चर भी बनाया जा सकता है।

चीनी सेना में सबसे बड़ा बदलाव कर रहे जिनपिंग

युद्ध के लिए बनाई स्पेशल फोर्स, अमेरिका से मुकाबले की तैयारी



बीजिंग (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने देश की सेना के पुनर्गठन का आदेश दिया है, जो 2015 के बाद पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) में सबसे बड़ा बदलाव होगा। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने इस बारे में जानकारी दी है। नए बदलावों के तहत जिनपिंग ने स्ट्रैटेजिक सपोर्ट फोर्स (रणनीतिक सहायता बल) को समाप्त करने का आदेश दिया है। इस बल को 8 साल पहले बनाया गया था और इसका उद्देश्य अंतरिक्ष, साइबर, राजनीतिक और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में क्षमताओं को बढ़ाना था। नए बदलाव साफ बताते हैं कि चीन के आका जिनपिंग सेना को आधुनिक युद्ध की परिस्थितियों को लिए तैयार करने में जुटे हुए हैं, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक

तेजी से पिघल रहे ग्लेशियर बने 'जीवन' के लिए संकट

सैटेलाइट तस्वीरों से इसरो ने खोला राज, मिल रहे परिवर्तन के संकेत



बढ़ रही 'जल-प्रलय' की आशंका, हिमालय ने बजाई खतरे की 'घंटी'

बेंगलुरु (एजेंसी)। सदियों से हिमालय भारत का सिमरौर रहा है। यह भारत का प्राकृतिक प्रहरी रहा है, जलवायु विभाजक भी है। साइबेरिया से आने वाली ढंडी बयारों को रोककर भारत में एक अलग जलवायु तंत्र बनाने वाला भी रहा है लेकिन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की नई रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि जल्द ही उत्तर का यह मस्तक और प्रहरी देश में प्रलय मचा सकता है। हिमालय को बड़े-बड़े ग्लेशियर और बर्फ के विशाल टीलों की वजह से तीसरा ध्रुव भी कहा जाता है। इसरो ने चेतावनी दी है कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से हिमालय के ये ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इसरो ने सोमवार को कहा कि दशकों की उपग्रह इमेजरी का विश्लेषण करने वाले नए शोध से पता चला है कि भारतीय हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर खतरनाक दर से पिघल रहे हैं, जिससे हिमालयी इलाके में बने हिम नदीय झीलों का विस्तार हो रहा है। बता दें कि ये ग्लेशियर और ग्लेशियल झीलें उत्तर भारत की सभी प्रमुख नदियों के जलस्रोत रहे हैं। दुनियाभर में हुए शोधों से पता चला है कि दुनियाभर के ऊंचे पहाड़ों-पर्वतों पर के ग्लेशियर 18वीं सदी के औद्योगीकरण के बाद से ही तेजी से पिघल रहे हैं और वे अपने स्थानों से पीछे हट रहे हैं। यानी जहां

आज ग्लेशियर हैं, वहां उसका वजूद खत्म हो रहा है। ग्लेशियर के पीछे हटने से वहां झील का निर्माण होता है। इसरो की रिपोर्ट में कहा गया है कि ये झीलें कई बार बड़ा जोखिम भी पैदा करते हैं। यानी कई बार ग्लेशियल लेक फ्ट जाते हैं, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ आ जाती है जो समुदायों के लिए विनाशकारी परिणाम लाते हैं। इसरो की रिपोर्ट में कहा गया है कि 1984 से 2023 तक ग्लेशियर्स के सैटेलाइट डेटा हैं, जिनमें यह बात सामने आई है कि 2016-17 में नदी घाटियों में 10 हेक्टेयर से बड़ी कुल 2,431 हिमनद झीले थीं। 1984 के बाद से इस क्षेत्र में आश्चर्यजनक रूप से 676 झीलें विकसित हो गई हैं।

एलोपैथी डॉक्टर भी महंगी और कई गैरजरूरी दवाएं लिखते हैं

पतंजलि केस में आईएमए को भी सुप्रीम कोर्ट ने खूब सुनाया



नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद कंपनी की ओर से गलत दावों वाले प्रचार के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन पर भी टिप्पणी की। अदालत ने एलोपैथी के डॉक्टरों का जिक्र करते हुए कहा कि आपके डॉक्टर भी महंगी और गैरजरूरी दवाओं का प्रचार करते हैं। बेंच ने तीखे शब्दों में कहा, जब आप एक गंगली किसी की ओर उठाते हैं तो चार उंगलियां आपकी तरफ भी उठती हैं। इसके आगे बेंच ने कहा, आपके डॉक्टर भी महंगाई दवाओं का प्रचार एलोपैथिक फील्ड में करते हैं। यदि ऐसा हो रहा है तो फिर आपसे सवाल क्यों न किया जाए।

हाईकोर्ट ने कहा-ममता कैबिनेट को सब पता था

बंगाल में शिथक भर्ती घोटाले पर जमकर लाताइ



कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल में एसएलएसटी भर्ती प्रक्रिया-2016 में नियुक्ति पाने वाले शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मियों की 25,753 नियुक्तियों को रद्द कर दिया है। ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए हाई कोर्ट ने ममता बनर्जी की बंगाल सरकार को फटकार भी लगाई। कहा कि यह बात हैरान कर देने वाली है कि बंगाल सरकार की कैबिनेट को सब कुछ पता था फिर भी फर्जी तरीके से नौकरियां दी गईं। फैसले पर सीएम ममता बनर्जी ने कड़ा ऐतराज जताते हुए सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही है। पश्चिम बंगाल में 2016 शिक्षक भर्ती परीक्षा के दौरान रद्द की गई 25753 नौकरियों के रद्द किए जाने वाले फैसले के बाद सीएम ममता बनर्जी की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि सभी नियुक्तियों को रद्द करने का अदालत का फैसला अवैध है और उनकी सरकार आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी।

श्री विनोद नागर को मिलेगा बालकवि बैरागी शिखर सम्मान

सुबह सवेरे,भोपाल। निर्दलीय प्रकाशन द्वारा वर्ष 2024 के बालकवि बैरागी शिखर सम्मान के लिए लेखक, पत्रकार व स्तंभकार श्री विनोद नागर को चुना गया है। उन्हें यह सम्मान आगामी 7 जुलाई को गाँधी भवन में संस्था के इक्यावन वें स्थापना दिवस समारोह में प्रदान किया जाएगा। निर्दलीय प्रकाशन के संस्थापक श्री कैलाश श्रीवास्तव ‘आदमी’ के अनुसार श्री नागर का चयन बहुविध लेखन के रूप में साहित्य की विभिन्न विधाओं में उनके सुदीर्घ एवं सृजनात्मक योगदान के लिए किया गया है।

67 वर्षीय श्री नागर की पचास वर्ष की शब्द यात्रा को समेटे छह खण्डों वाले रचना समग्र सहित कुल आठ पुस्तकें अभी तक प्रकाशित हो चुकी हैं। साहित्य, कला, और संस्कृति समेत विभिन्न क्षेत्र की चुनिंदा हस्तियों से लिए साक्षात्कार पर आधारित तीन और किताबें- ‘शब्द सार्थक सर्वदा’ ‘शब्द सृजन संवाद’ और ‘शब्द सहज संवाद’ शीर्षक से जल्द ही छपकर आने वाली हैं। श्री नागर लेखक, पत्रकार और स्तंभकार के बतौर वर्षों से दैनिक सुबह सवेरे से संबद्ध रहे हैं और समय समय पर उनके रिपोर्ताज, आलेख, समीक्षा आदि पाठकों को नियमित रूप से पढ़ने को मिलते रहे हैं।

मतदाता परिचय-पत्र के अलावा 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई भी एक दस्तावेज दिखाकर कर सकेंगे मतदान

भोपाल (नप्र)। भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा निर्वाचन 2024 में सभी मतदाताओं को क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पचीं वितरित की है। क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पचीं से मतदाता अपने मतदान केन्द्र का नाम, पता, क्रमांक, निर्वाचक नामावली में मतदाता क्रमांक राज्य और जिले का हेल्पलाइन नम्बर जैसी अन्य महत्वपूर्ण जानकारीयों प्राप्त कर सकेंगे। यदि किसी मतदाता के पास मतदाता सूचना पचीं नहीं है और उसका नाम मतदाता सूची में है, तो मतदान के लिये फोटोयुक्त वोटर आईडी कार्ड के अलावा 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों आधार कार्ड, पेन कार्ड, दिव्यांग यूनिक आईडी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मनरेगा जाँब कार्ड, पेंशन दस्तावेज (फोटो सहित), पासपोर्ट, पासबुक (फोटो सहित बैंक/डाकघर द्वारा जारी), फोटोयुक्त सर्विस पहचान पत्र (केन्द्र/राज्य सरकार/सार्वजनिक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी), सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड (श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी) में से कोई भी एक दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकता है।

सभी मतदाताओं को मतदान के पूर्व वोटर गाइड एवं वोटर स्लिप का वितरण किया जा रहा है। फोटोयुक्त वोटर स्लिप को जानकारी/मार्गदर्शन के लिये उपयोग किया जा सकता है, लेकिन पहचान प्रमाण पत्र के रूप में नहीं। यदि फोटोयुक्त ईपिक में किसी मतदाता के फोटोग्राफ आदि का मिलान न हो पाने से मतदाता की पहचान करना संभव नहीं है, तो उस मतदाता को उपरोक्त 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज मतदान अधिकारी को दिखाना होगा।

दूसरे चरण के मतदान के लिये आज शाम 6 बजे से बंद होगा चुनाव प्रचार

भोपाल (नप्र)। लोकसभा निर्वाचन-2024 के दूसरे चरण में मध्यप्रदेश के जिन 6 लोकसभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में शुक्रवार 26 अप्रैल को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होना है, वहां पर 24 अप्रैल की शाम 6 बजे से चुनाव प्रचार बंद हो जायेगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में मतदान समाप्ति के लिये निर्धारित समय के 48 घण्टे से पहले से चुनाव प्रचार बंद करने का प्रावधान है। प्रचार-प्रसार समाप्त होने की समय-सीमा के बाद बाहरी क्षेत्र के व्यक्तियों को, जो उस लोकसभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता नहीं हैं, उन्हें वह निर्वाचन क्षेत्र छोड़ना होता है। इस हेतु सवन निगरानी अभियान चलाया जाता है।

दूसरे चरण में मध्यप्रदेश के लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-6 टीकमगढ़ (अजा), क्रमांक-7 दमोह, क्रमांक-8 खजुराहो, क्रमांक-9 सतना, क्रमांक-10 रीवा एवं क्रमांक-17 होशंगाबाद में 26 अप्रैल को मतदान होना है।

बोर्डपैटर्न पर हुई 5वीं-8वीं का रिजल्ट घोषित

कक्षा पांचवी का 90.97 और आठवीं में 87.71 प्रतिशत पास, 24 लाख छात्र-छात्राओं ने दी थी परीक्षा

परीक्षा परिणाम- कक्षा 5				
प्रदेश	कैसिल कराने वाले	परीक्षे की संख्या	परीक्षा	प्रतिशत
आन्ध्रप्रदेश	7,69,050	7,09,917	91	5.9%
आन्ध्रप्रदेश	4,61,138	4,15,839	90	18%
बिहार	3,500	2,564	73	98%
कुल योग	12,33,688	11,22,320	90.97%	

परीक्षा परिणाम- कक्षा 8				
प्रदेश	कैसिल कराने वाले	परीक्षे की संख्या	परीक्षा	प्रतिशत
आन्ध्रप्रदेश	7,39,952	6,37,927	86	32%
आन्ध्रप्रदेश	3,95,201	3,58,053	90	60%
बिहार	2,304	1,573	67	40%
कुल योग	11,37,367	9,97,553	87.71%	



90.18 फीसदी रहा है। मद्रसों का परिणाम 73.26 फीसदी रहा है। कक्षा आठवीं का रिजल्ट 87.71 फीसदी रहा है। सरकारी स्कूल का 86.22 फीसदी प्रायवेट स्कूल 90.60 फीसदी और मद्रसा के 67.40 फीसदी छात्रों ने बाजी मारी है।

राजधाम

हनुमान जयंती पर प्रदेश में हुए कई आयोजन

● इंदौर में हनुमान जी को पहनाई गुजराती पोशाक ● कई जगह शोभायात्रा निकाली, देर रात तक होते रहे भंडारे

हनुमान चालीसा सुनने बंदर के बच्चे को लेकर पहुंची बालिका, गदा यात्रा में पहुंचे नकुलनाथ, पूर्व सीएम शिवराज ने की पूजा-अर्चना



भोपाल/छिंदवाड़ा (नप्र)। मंगलवार को हनुमान जयंती पर मध्यप्रदेश में कई आयोजन किए। सुबह से ही मंदिरों पर रामायण पाठ, हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ किए गए। मंदिरों में विशेष श्रृंगार किया गया था, इंदौर में रणजीत हनुमान को गुजराती पोशाक धारण कराई गई। भोपाल में शोभा यात्रा निकाली गई। विदिशा में 7.50 लाख के नोटों से हनुमान जी का श्रृंगार किया गया। साज-सज्जा के लिए अजमेर और शिडी से 13.50 क्रिंटल गुलाब, चंपा और चमेली के फूल भी मंगाए गए हैं। छिंदवाड़ा के जामसांवली मंदिर में सीसीटीवी से निगरानी की जा रही थी। मंदिर प्रबंधन ने यहां 3 लाख श्रद्धालु पहुंचने की उम्मीद जताई थी। रतलाम में 51 हजार बार हनुमान चालीसा पाठ किया गया- रतलाम में 51 हजार बार हनुमान चालीसा पाठ किया गया। जबलपुर के पंचमठा मंदिर में हनुमान जी को 1100 किलो के लड्डू का भोग लगाया जाएगा। प्रदेश में कई जगह शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। मंदिरों में भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर समेत प्रमुख हनुमान मंदिरों पर उत्सव मनाया जा रहा है।



सीएम डॉ. मोहन यादव ने लिखा- संकट कटे मिटे सब पीरा...

‘संकट कटे मिटे सब पीरा, जो सुमिरै हनुमत बलबीरा..’ हम सभी के आराध्य और रोम-रोम में बसने वाले प्रभु श्रीराम के परम भक्त श्री हनुमान जी महाराज के जन्मोत्सव के पावन पर्व पर सभी बहन-भाइयों को मंगल शुभकामनाएं! हे संकट मोचन सब पर अपनी कृपा की वर्षा करते रहना; सबका मंगल और कल्याण करो, यही प्रार्थना है।

शिवराज सिंह ने हनुमान मंदिर में पूजा की

बेगि हरो हनुमान महाप्रभु,जो कछु संकट होय हमरो। को नहिं जानत है जग में कपि, संकटमोचन नाम तिहरो॥ आप सबको ‘श्री हनुमान जन्मोत्सव’ के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं! संकटमोचन श्री बजरंगबली जी की कृपा हम सभी पर सदैव बनी रहे। सबके जीवन में सुख-शांति व समृद्धि का वास हो, यही कामना करता हूँ।

भोपाल एम्स में मरीजों को करना पड़ रहा लंबा इंतजार परिजन बोले- सुबह 6 बजे लाइन में लगा...11 बजे नंबर आया ; बाहर से खरीदनी पड़ रही दवा

भोपाल (नप्र)। ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (एम्स) भोपाल में मरीजों को इलाज के लिए काफी इंतजार करना पड़ रहा है। सुबह से ही ओपीडी के बाहर मरीजों की संख्या लग जाती है। एक और सर्जरी के लिए आए मरीजों को कई महीनों की तारीखें दी जा रही है। हार्ट की सर्जरी और दूसरे सुपर स्पेशलिटी इलाज तो दूर सामान्य बीमारी का उपचार भी तुरंत नहीं हो पा रहा है।



इलाज के लिए देश के दूरदराज इलाकों से आए लोगों को रहने और खाने की मुश्किलों का भी सामना करना पड़ रहा है। अधिकतर लोगों ने एम्स के कैपस में ही डेरा बनाया हुआ है। लोगों का कहना है कि इलाज होने के बाद ही यहां से जाएंगे, चाहे कई महीने ही क्यों न रुकना पड़ जाए।

डॉक्टर नहीं दे रहे ठीक से जानकारी- सागर जिले से आए नवल अहिरवार की मां को दिल में सूजन बताई है। वे बीते 3 दिनों से एम्स में अपनी मां के इलाज को लेकर परेशान हो रहे हैं। उनका कहना है कि डॉक्टर इलाज तो कर रहे हैं, लेकिन ठीक से जानकारी नहीं देते हैं। मैं मजदूरी करता हूं। यहां पर गुजारा करना मुश्किल हो रहा है। सोमवार को सुबह 6 बजे से लाइन में लगा। तब जाकर 11 बजे नंबर आया। डॉक्टर ने अभी कोई जांच की है। लेकिन रिपोर्ट मंगलवार को मिलेगी। डॉक्टर से पूछते हैं कि और कितना समय लगेगा? वे कहते हैं कि एक सप्ताह आपको और रहना पड़ेगा। हमें नहीं पता हम कब तक यहां रहेंगे।

आयुष्मान कार्ड नहीं था इसलिए 10 दिन से एम्स में हूं

उत्तर प्रदेश के ललितपुर से आए अरविंद अहिरवार 10 दिन से एम्स में अपना समय गुजार रहे हैं। अरविंद ने बताया कि मेरे पैरों में अचानक एक दिन तेज दर्द होने लगा। मैंने पास के डॉक्टर को दिखाया तो उन्होंने दवा देकर घर भेज दिया। लेकिन अगले ही दिन मेरे पैरों में दर्द और बढ़ने लगा। पत्नी और मैं एम्स भोपाल आए, यहां डॉक्टरों ने मेरे पैरों में खून के थक्के का जमना बताया। अरविंद ने बताया कि डॉक्टर ने जो इंजेक्शन लगाने को कहा था उनकी कीमत 21 हजार रुपए थी। मेरे पास आयुष्मान कार्ड भी नहीं था। अगर होता तो मैं 2 दिन में ही ठीक हो जाता। लेकिन पहले आयुष्मान कार्ड बनवाया, तब जाकर इंजेक्शन मिला। लेकिन इन सब में मुझे यहां 10 दिन से ज्यादा का समय हो गया।

‘सर, बेटा छोटा है... उसे संभालने वाला कोई नहीं’ भोपाल में चुनावी इयूटी कैसिल कराने के 1500 आवेदन ; 500 रिजेक्ट कर दिए

भोपाल (नप्र)। लोकसभा चुनाव की इयूटी कैसिल कराने के लिए भोपाल में करीब डेढ़ हजार आवेदन पहुंचे। इनमें से 1 हजार कर्मचारियों की इयूटी कैसिल कर दी गई। वहीं, 500 आवेदन रिजेक्ट कर दिए गए। अफसरों का कहना है कि जिन कर्मचारियों के आवेदन कैसिल किए गए, उनमें ने ज्यादातर ने बीमारी का हवाला दिया था, लेकिन मेडिकल जांच में वे ठीक निकले। इस कारण उनकी इयूटी कैसिल नहीं की गई।

ज्वाइंट कलेक्टर आदित्य सिंह ने बताया कि गंभीर बीमारी, गर्भवती होने और बच्चे छोटे होने से दिक्कत आने के आवेदन अधिक थे। उनकी जांच कराई गई। 500 आवेदन ऐसे भी थे, जिनमें बीमारी का हवाला दिया गया था, लेकिन मेडिकल बोर्ड में



कर्मचारी फिट निकले। इसलिए उनकी इयूटी कैसिल नहीं की गई।

25 से दूसरी ट्रेनिंग, सभी को आना जरूरी- जिन कर्मचारियों की इयूटी कैसिल नहीं की गई, उन्हें 25 अप्रैल से शुरू होने वाली दूसरी ट्रेनिंग में जरूर आना पड़ेगा। यदि वे नहीं आते हैं तो उनके निलंबन की कार्रवाई की जा सकती है।

10 दिन तक लिए गए आवेदन

बता दें कि चुनावी इयूटी कैसिल कराने के लिए 10 दिनों में ही डेढ़ हजार से अधिक आवेदन पहुंचे। अभी भी कुछ कर्मचारी आवेदन लेकर पहुंच रहे हैं, लेकिन उनके आवेदन नहीं लिए जा रहे हैं, क्योंकि 25 अप्रैल से ट्रेनिंग ही होने वाली है।

अरुण यादव बोले-सुरेश पचौरी टिकट कटाऊ नेता थे

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा- अच्छे और मजबूत लोगों को टिकट ना देना, ये उनका क्राइटेरिया था

भोपाल (नप्र)। मप्र में दल-बदल की पॉलिटिक्स तेज है। और दल-बदल पर जमकर बयानबाजी हो रही है। कांग्रेस नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव ने भाजपा में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री



सुरेश पचौरी पर बड़ा आरोप लगाया है।

होशंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के इटारसी करखे में हुई जनसभा में पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने ने कहा जो नेताजी यहां के थे वह कहते थे इसको टिकट मत देना। इसको देना, इसको नहीं देना। उनका नाम टिकट कटाऊ नेताजी हो गया था।

कोई भी अच्छा हो, मजबूत लीडर हो, उसको टिकट नहीं

मिलना चाहिए। यह उनका क्राइटेरिया होता था, लेकिन हमने मध्य प्रदेश में राहुल जी का आशीर्वाद लेकर टिकट कटाऊ नेताओं की एक ना सुनी। और जब नगरीय निकाय का चुनाव हुआ तब प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सारे नौजवानों को टिकट देने का काम किया।

होशंगाबाद में पीसीसी अध्यक्ष को भी परमिशन लेकर आना पड़ता था

अरुण यादव ने कहा- मुझे याद है जब मैं 2013 में अध्यक्ष बना तो मुझे होशंगाबाद आने में बड़ा डर लगता था। यहां के नेताओं को थोड़ा - बहुत पता होगा। डर क्यों लगता था? यह आप समझ जाइए। डर इसलिए लगता था, क्योंकि यहां पर एक ऐसे नेता हमारे हुए। यहां ऐसा होता था यहां अगर आना है तो परमिशन लेनी पड़ती थी कि मैं प्रदेश का अध्यक्ष हूं अगर आपकी इजाजत हो तो मैं यहां पर शादी में हो आऊं। या किसी के यहां माताजी खत्म हो गई, तो मुझे जाना है। यहां आने के लिए परमिशन लेनी पड़ती थी।

बिना चुनाव लड़े 30 साल तक राज्यसभा में रहे

अरुण यादव ने कहा- मैं आपकी जानकारी में ला दूं कि हिंदुस्तान के इतिहास में और कांग्रेस के इतिहास में एक नेता ऐसा हुआ जो 30 साल तक बिना चुनाव लड़े राज्यसभा का सदस्य रहा। मंत्री रहा। तमाम कांग्रेस पार्टी के ओहदों पर रहे। जो कोई भी चुनाव नहीं लड़ा अगर अगर लड़ा एक बार 27 हजार से, एक बार 32 हजार से हारे। हमने तो इस बार भी कहा था लड़ लीजिए। हमारी तरफ से तो कोई मना ही नहीं था, लेकिन पता चला कि वे तो चुनाव की पहले ही चले गए।

इयूटी कैसिल कराने के इतने आवेदन

- 70 से 80 आवेदन कैंसर ग्रस्त कर्मचारियों के हैं।
- 100 से अधिक आवेदन गर्भवती महिलाओं के आए हैं, जो इयूटी करने में असक्षम हैं।
- 200 आवेदन ऐसी महिला कर्मचारियों के हैं, जिनके बच्चे छोटे हैं।
- 700 आवेदन में हार्ट समेत अन्य बीमारियों से पीड़ित होना बताया गया।
- 200 आवेदन ऐसे आए, जिनमें पति-पत्नी दोनों सरकारी नौकरी में हैं और दोनों की ही इयूटी लग गई।
- कुछ ऐसे आवेदन भी आए हैं, जिनके विभाग के सभी कर्मचारियों की इयूटी लग गई है।
- वन विभाग के मैदानी कर्मचारियों के आवेदन भी आए हैं।

स्वास्थ्य कारणों से छूट पाने वालों का मेडिकल टेस्ट- लोकसभा चुनाव की इयूटी कैसिल कराने के लिए जिन अधिकारी-कर्मचारियों ने स्वास्थ्य का हवाला दिया था, उनके लिए मेडिकल बोर्ड बनाया गया। जेपी हॉस्पिटल में जांच की गई।

संपादकीय

मालदीव : भारत की चिंता और बढ़ी

हमारे पड़ोसी देश मालदीव के संसदीय चुनाव में चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पार्टी पीएनसी की प्रचंड जीत के बाद मालदीव और भारत के रिश्ते और खराब हो सकते हैं। मुइज्जू की जीत प्रकारांतर से भारत की विदेश नीति के लिए भी झटका है। क्योंकि पाकिस्तान के बाद अब मालदीव भी चीन के पाले में जा रहा है। उधर म्यांमार में भी चीन भारत को झटका देने की पूरी तैयारी कर के बैठा है। मालदीव में एकल संसद प्रणाली है। कार्यकारी शक्तियां राष्ट्रपति में निहित होती हैं, लेकिन राष्ट्रपति की कैबिनेट के हर फैसले को संसद यानी 'पीपुल्स मजलिस' से मंजूरी अनिवार्य है। अभी तक मालदीव की संसद में विपक्षी पार्टियों का बहुमत था। इसलिए मुइज्जू को अपने फैसले मनवाने में दिक्कत आ रही थी। लेकिन ताजा चुनावों में मालदीव की जनता ने मुइज्जू को भारत विरोधी नीतियों पर एक तरह से मोहर लगा दी है। मुइज्जू की पार्टी पीएनसी से 93 में 66 सीटें जीत ली। पीएनसी ने कुल 90 सीटों पर चुनाव लड़ा था। ये नतीजा इसलिए चौंकाते वाला है, क्योंकि हाल में देश की राजधानी माले के मेयर के चुनाव में पीएनसी की हार हुई थी। चुनाव में मुख्य विपक्षी दल वहीं मुख्य विपक्षी दल मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) को 12 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। एमडीपी को भारत समर्थक माना जाता है। 8 सीटों पर निर्दलीय ने तथा बाकी सीटों पर अन्य छोटे दलों ने कब्जा किया है। गौरतलब है कि पिछले साल मोहम्मद सोलिह को हराकर मोहम्मद मुइज्जू मालदीव के राष्ट्रपति बने थे, लेकिन पीएनसी के पास मालदीव की संसद में बहुमत नहीं था। मालदीव में संसद पांच साल के लिए चुनी जाती है। जबकि राष्ट्रपति सीधे चुना जाता है। मुइज्जू ने शुरू से ही भारत विरोध की नीति अपनाई हुई है। जबकि मालदीव के 1965 में आजाद होने के बाद से वहां पर कोई भी सरकार रही हो, भारत के साथ उसके अच्छे रिश्ते रहे हैं। इसके विपरीत मुइज्जू मालदीव को एक आधुनिक राष्ट्र के स्थान पर कट्टरपंथी इस्लामिक देश बनाने पर आमादा हैं। पूर्व परंपरा के विपरीत उन्होंने राष्ट्रपति बनने के तीन माह बाद भी भारत की यात्रा नहीं की है। उल्टे मालदीव में तैनात भारतीय सैन्य टुकड़ी की वापसी के लिए अड़े हुए हैं। मुइज्जू का चुनाव अभियान ही 'इंडिया आउट' नारे पर केन्द्रित था। मुइज्जू ने इंडिया फर्स्ट की जगह चीन फर्स्ट का नारा दिया है। भारत को बाहर कर वहां चीन व अन्य इस्लामिक देशों की एंट्री कराना चाहते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हर मुश्किल में भारत ने ही मालदीव की मदद की है। मालदीव से भारत के रिश्ते खराब होने के बाद वहां के पर्यटन उद्योग को झटका लगा है, लेकिन लगता है वहां की जनता इसे झेलने को तैयार है। मुइज्जू मालदीव में चीन को महत्व देकर अपने लिए पट्टा खोदने के लिए तैयार है। वो भूल गए हैं कि चीन के कर्ज जाल में फंसने के बाद श्रीलंका की क्या हालत हो गई थी। उसे बाद में भारत ने ही सहाय दिया। मालदीव तो और भी छोटा देश है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन मालदीव में सैन्य अड्डा बनाना चाहता है। हाल ही में मालदीव और चीन के बीच कई गुप्त समझौते हुए हैं। चीन ने मालदीव को मुफ्त सैन्य सहयोग देने की बात कही है। भारत की सबसे बड़ी चिंता यही है। हिंद महासागर भारत के प्रभाव वाला क्षेत्र है। चीन लंबे समय से यहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश करता रहा है। मुइज्जू उसे यह मौका खुद आगे बढ़कर दे रहे हैं। चीन अब मालदीव के जरिए इस क्षेत्र में ऑपरेट करेगा।

राजनीति

डॉ. सुरेश प्रसाद अहिरवार

(लेखक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में रिसर्च स्कॉलर रहे हैं)

जब देश की राजनीति नागरिकों को अपने पक्ष में भयपूर्ण वातावरण निर्मित करके सत्ता चाहती है तब अलोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का जन्म होता है।

14 अप्रैल को डॉ बाबा साहेब के जयंती दिवस पर देश और विदेश के तमाम हिस्सों में जुलूस, रैलियां और गोष्ठियां देखी गईं हैं। ये गोष्ठियां तब हो रही हैं, जब भारत में 18 वीं लोकसभा के चुनाव की प्रक्रिया चल रही है और भारत जैसे देश में व्यक्ति केन्द्रित राजनीति पर बुद्धिजीवी वर्ग ने अपनी चुप्पी साध रखी है। अतः डॉ बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के विचार (बाबा साहेब डॉ.आंबेडकर सम्पूर्ण खंड-1 भाग- 3 नायक और नायक पूजा) और ज्योदा सजगता के साथ पढ़ा जाना चाहिए। डॉ आंबेडकर ने कहा कि बुद्धिजीवी वर्ग दूसरों होता है जो सलाह दे सकता है और नेतृत्व कर सकता है। जनता उसका अनुकरण करती है। किसी देश का सम्पूर्ण भविष्य उसके बुद्धिजीवी वर्ग पर निर्भर करता है।इसलिए बुद्धिजीवी वर्ग का ईमानदार, स्वतंत्र और निष्पक्ष होना आवश्यक हो जाता है 'बाबा साहेब आंबेडकर ने आगे कहा कि 'वह टटु भी हो सकता है।' ऐसे में वह अपनी भूमिका का निर्वहन नकारात्मक रूप से कर सकता है। डॉ बाबा साहेब बुद्धिजीवी व्यक्तियों और उनके समूहों की भूमिकाओं और सीमाओं से अवगत कराते हैं। राजनीति सिर्फ सत्ता के लिए नहीं की जानी चाहिए बल्कि राजनीति सामाजिक मूल्यों पर केन्द्रित होना चाहिए।' डॉ आम्बेडकर कहते हैं कि मुझे आशा है कि मेरे देश वासी किसी न किसी दिन यह सीख लेंगे कि देश व्यक्ति से कोई अधिक महान होता है अतः देश किसी एक व्यक्ति का महान बन नहीं होता है। मीडिया,लेखक और राजनीतिक समर्थक लोग अपनी विचारधारा के महापुरुषों का उत्पादन करना उनके बाएं हाथ का खेल होता है। ये उनकी प्रसिद्धि में लगे रहते हैं लेकिन क्या वह व्यक्ति सच में महान है? इस पर डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर का विचार है कि प्रसिद्ध और महान व्यक्ति में अन्तर को समझना आवश्यक हो जाता है 'एक महान व्यक्ति को समाजिक उद्देश्यों की गतिशीलता से प्रभावित होना चाहिए।' भारतीय जनमानस को प्रोजेक्टेट महापुरुषों से सचेत रहने के बारे का आगाह किया। ' इतिहास में ऐसे ढेर सारे महापुरुष गिनाए गए जो झूठे और स्वार्थी थे और विश्व का वेतन इनकी जेबों में चला जाता है। विश्व का कार्य नहीं साधता। नायक तो बाहर निकल गए और नीम कमी भीतर घुस गए हैं।' व्यक्ति केन्द्रित राजनीति अतिवाद का सहारा लेकर सस्ती प्रसिद्धि बटोरती है और लोगों की देश प्रेम की भावनाओं से हेरा-फेरी और खिलवाड़ करके गुमराह करने से नहीं चूकते हैं। आध्यात्मिक क्षेत्र में

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923, Ph. No. 0755-2422692, 4059111 Email- subahsaverenews@gmail.com

‘सुबह सवेरे’ में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। उनसे उभावहार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

नजरिया

आरके सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।



यकीन मानिए कि किसी देश और वहां के लोगों को जानने के लिए आपको कोई बहुत घुमकड़ी करने की जरूरत नहीं है। आप जिस देश के समाज को जानना चाहते हैं, उसके एयरपोर्ट से उतरने के बाद वहां की सड़कों में चल रहे यातायात को देख भर लें। आपको सब कुछ पता चल जायेगा कि वहां का समाज कितना अनुशासन प्रिय है या अराजकता में कितना यकीन करता है। राजधानी दिल्ली की सड़कों से गुजरते हुए यहां पहली बार आने वाले शख्स को इतना तो पता ही चल जाता होगा कि इधर की सड़कों पर यातायात नियमों को मानना भी लोग अपनी शान के खिलाफ समझते हैं।

बेशक, राजधानी दिल्ली की सड़कों का नजारा देखकर डर लगता है। दो पहिया चलाने वाले न जाने कितने ड्राइवर दिखाई देते हैं, जिन्होंने हेलमेट नहीं पहना होता है । बात यही खत्म नहीं होती। वे बेखोफ ड्राइवर भी भरपूर मात्रा में मिल जाते हैं जो अपनी मोटर साइकिल या स्कूटी चलाते हुए लगातार मोबाइल पर बात भी कर रहे होते है या म्यूजिक सुन रहे होते हैं । यह बहुत साफ है कि ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने से दुर्घटना का खतरा भयंकर रूप से बढ़ जाता है। जिस इंसान को अपनी जान की ही चिंता नहीं होगी, वह यातायात के नियमों को क्यों मानेगा।

दिल्ली पुलिस की साल 2022 की एक रिपोर्ट में अनुसार, राजधानी में सड़क दुर्घटनाओं में पैदल चलने वालों के बाद दोपहिया वाहन चालक दूसरे सबसे अधिक पीड़ित हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि 2022 में 539 दोपहिया वाहन चालकों की मृत्यु हुई, जो 2021 में 459 थी। ज्यादातर मामलों में, यह दोपहिया वाहन भारी वाहनों की चपेट में आए, उसके बाद चार पहिया वाहन आए। दिल्ली में पंजीकृत दोपहिया वाहनों की भारी संख्या को देखते हुए, इन सवारों की भाईस के लिए एक सुरक्षित डिजाइन प्रणाली सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण हो जाता है।

दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को प्रभावित करने वाले सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है हेलमेट का उपयोग न करना। हालांकि हेलमेट पहनना दिल्ली में वाहन चालकों और पीछे बैठने वालों के लिए भी

बेशक, राजधानी दिल्ली की सड़कों का नजारा देखकर डर लगता है। दो पहिया चलाने वाले न जाने कितने ड्राइवर दिखाई देते हैं, जिन्होंने हेलमेट नहीं पहना होता है । बात यही खत्म नहीं होती। वे बेखोफ ड्राइवर भी भरपूर मात्रा में मिल जाते हैं जो अपनी मोटर साइकिल या स्कूटी चलाते हुए लगातार मोबाइल पर बात भी कर

अनिवार्य है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने के मामले हर साल बढ़ ही रहे हैं। इस साल 15 अप्रैल तक, पुलिस ने बिना सीट बेल्ट के गाड़ी चलाने या बिना हेलमेट के

दूसरों की जान से भी खिलवाड़ करते हैं दू उन पुलिस वालों पर भी कठोर ऐकशन लेना ही होगा जो यातायात नियमों को तोड़ने वालों से घुस लेते हैं और छोड़ देते हैं। अब कोई यह न कहे कि पुलिस महकमे में

रहे होते हैं या म्यूजिक सुन रहे होते हैं । यह बहुत साफ है कि ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने से दुर्घटना का खतरा भयंकर रूप से बढ़ जाता है। जिस इंसान को अपनी जान की ही चिंता नहीं होगी, वह यातायात के नियमों को क्यों मानेगा।

लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही सड़कों की खराब स्थिति, अपायी साइनेज और पैदल चलने वालों के लिए सुविधाओं की भारी कमी जैसे मुद्दों को दूर करने की आवश्यकता है। देखिए

दिल्ली का तो यहां उदाहरण दे दिया गया। यातायात नियमों की तो सारे देश में अनदेखी हो रही है। यह अफसोसजनक स्थिति है। एक बात और कहने का मन कर रहा है दू जब बात सड़कों के चौड़ीकरण, सौंदर्यीकरण और इनके विस्तार पर होती है तो पैदलयात्री के बारे में कोई नहीं सोचता। उसकी एक वजह यह भी है कि वह समाज का सबसे बेबस व्यक्ति है। वह गरीब है। उसकी आर्थिक-सामाजिक हैसियत कमजोर है। तो क्या इसलिए वो सड़क पर तड़प-तड़प कर मरने के लिए अभिशप्त है। क्या अनौपचारिक सड़कों पर पैदल यात्रियों को कुचलते रहेंगे? पैदल यात्रियों का सड़कों पर कुचला जाना और यातायात के नियमों अनदेखी का सीधा संबंध है। कारणों और दूसरे वाहनों की बिक्री को तो रोकना नहीं जा सकता । लेकिन, सरकार कड़े उपाय करके पैदल यात्रियों को राहत तो दे ही सकती है। फुटपाथों को फिर से कायम तो किया ही जा सकता है । सड़कों के किनारे जहाँ स्कूल, अस्पताल, मंदिर, मस्जिद आदि सार्वजनिक स्थान हों वहां तो अंडरपास या फुट ओवरब्रिज बनाये ही जा सकते हैं । कम से कम स्कूल की छुट्टी के समय एक ट्रैफिक का सिपाही तो तैनात हो ही सकता है। आज तो फुटपाथों की स्थिति यह हो गई है कि वहां पुलिस हप्तें वसूल कर बाजार लगाव रही है। यह हर फुटपाथ पर आप देख सकते हैं

जरा सोचिए कि सड़क हदसों में मरने वालों में 50 फीसद 14-35 साल की उम्र के होते। इममें से बहुत सारे अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य होते हैं। यूं तो सड़क हदसों के तमाम कारण गिनाए जा सकते हैं। पर 66 फीसद हदसों का कारण तेज रफ्तार से और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाना है। तो इस पर हर हाल में नियंत्रण करना होगा। इसके लिए तेज वाहन चलाने वालों पर कठोर दंड लगाया जाना बिल्कुल सही माना जा सकता है। इस सवाल पर कोई बहस हो ही नहीं सकती। सड़क हदसों को रोकने के लिए नागरिकों और पुलिस को समान रूप से अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। समाज सहयोग नहीं रहेगा तो मौजूदा हालात में बदलाव संभव नहीं है।

‘राजनीति में नायक पूजा राष्ट्र को कमजोर बनाती है’

भक्ति भले ही मोक्ष प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करती हो लेकिन राजनीति में नायक पूजा देश की भावना को नष्ट करती है। इस बात की खानबीनी की जानी चाहिए कि हमारा पुरुष, महापुरुष है या नहीं। कहीं समाज का चतुर बुद्धिजीवी वर्ग कहीं राजनैतिक आसक्ति का शिकार तो नहीं हो गया है? यदि ऐसा होगा तब सामाजिक न्याय और सुधारों की गुंजाइश कम हो जायेगी और सत्तालोलुप लोगों की संख्या में बढ़ोतरी होगी।

जब देश किसी प्रकार की कठिनाइयों से जूझ रहा हो तब बुद्धिजीवियों की भूमिका और अधिक हो जाती है। कहीं बुद्धिजीवी वर्ग लालच का शिकार तो नहीं हो रहा है। लालच किसी न किसी प्रकार से घातक ही होता है। चाहे परिवार का हो,पाटी की विचारधारा की हो या सत्ता की हो। लालच हमेशा विपरीत परिणामों को ही जन्म देता है। राजनीति, धार्मिक और आर्थिक क्षेत्र में लालची प्रक्रियाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। राजनीति में परिवारवाद और परिवारों में राजनीतिवाद और व्यापारवाद दोनों ही विश्वश्र के मुद्दे हैं। भारतीय राजनीति में दोनों ही बड़े क्षेत्र हैं जो भी व्यक्ति राजनीति में आता है। वह अपने परिवार,जात और वर्ग का भी भविष्य देखने लगता है। जो लोग व्यापार के क्षेत्र में आगे बढ़ते हैं। वे अपनी सम्पत्ति के बोझ में अधिकतर परिवार के सदस्यों को ही रख लेते हैं। धार्मिक क्षेत्र में भी धर्म प्रवाचक अपने सगे सम्बन्धियों को अपने आसपास देखना चाहते हैं, जो सोने के सिंहासन पर बैठकर लालच छोड़ने का धार्मिक उपदेश देते हैं। इस प्रकार व्यक्तिवादी सोच में सत्ता, सरकारों और निजी और सरकारी संस्थास्थों में परिवारों, जात और वर्ग के हितों का पूरा ख्याल रखने की प्रवृति बढ़ जाती है तब इन्हें राष्ट्रीय लोकतांत्रिक और मानवीय मूल्यों को बढ़ाने वाला बिल्कुल भी नहीं कह जा सकता है।

राजनीति के सन्दर्भ में किसी भी प्रकार चुनाव का अर्थ सिर्फ दिखावटी, सत्ता के अवगुणों को वैध करने वाली प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनना चाहिए। चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शिता के साथ कमजोर-गरीब और श्रेष्ठतम का चुनाव करने वाले हों न कि सत्ता के अवगुणों को वैधता प्रदान करने की जाए। राजनीतिक चुनावों को अमीरों की गोदबंदी और अखाड़ा नहीं बनने देना चाहिए वरना अमीर प्रत्याशियों के बीच का चुनाव हो जायेगा। इसके विपरीत समाज के अतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को आकांक्षों का प्रतिनिधित्व करने वाला भी होना चाहिए ताकि लोकतंत्र में सामाजिक मानवीय मूल्यों को स्थापना का कार्य किया जा सके। चुनावी प्रक्रिया सामाजिक प्रतिनिधित्व के तौर पर भी पारदर्शी हो। सिर्फ सत्ताधारी दल अपने अनुसार हेर-फेर न करें बल्कि विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के कार्यकर्ताओं को इस बात के लिए प्रशिक्षण दिया जाये कि उनकी पाटी को विचारधारा क्या है? क्या सच में उन कार्यकर्ताओं को अपनी राजनीतिक विचारधारा की आलोचना करने का भी प्रशिक्षण दिया जाता है. यदि कोई कार्यकर्ता अपनी पार्टी के कार्यक्रम और

विचारधारा की आलोचना करने में सक्षम नहीं है तो इसका अर्थ है कि पार्टी की विचारधारा व्यक्ति-केन्द्रित है। व्यक्ति-केन्द्रित राजनीति सिर्फ और सिर्फ राजनैतिक मूल्यों का अवमूल्यन ही नहीं करती है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर रौब जमाकर तानाशाही की ओर आगे बढ़ती है और भविष्य का लोकतांत्रिक रास्ता कुंद करती हैं। भारत में संसदीय प्रणाली को स्वीकार किया गया है अतः प्रत्येक नागरिक की राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी है और उनके क्षेत्र का चुनाव हुआ प्रतिनिधि संसदीय क्षेत्र के दायित्वों का निर्वहन करते हुए राष्ट्र के संवैधानिक दायित्वों का भी पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से निर्वहन करें न कि किसी राजनेता का पिछलग्गू बन जाए। संसदीय निर्वाचन में प्रत्येक चुनाव हुआ प्रतिनिधि समान और समकक्ष है। ऐसे में किसी सांसद सदस्य को कमतर आंकने की प्रवृति व्यक्ति केन्द्रित राजनीति का लक्षण है। संसदीय प्रणाली सामाजिक प्रतिनिधित्व का प्रतीक भी है। लोकतंत्र में सामाजिक प्रतिनिधित्व अनिवार्य शर्त है ताकि विभिन्न सामाजिक समूहों की भागीदारी लोकतंत्र में सुनिश्चित हो सके और समस्त सामाजिक समूहों का सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक न्याय का मार्ग प्रशस्त हो सके। राजनीति में व्यक्ति केन्द्रित चायक पूजा, संसदीय प्रणाली के नकारा होने के संकेत देती है। डॉ आंबेडकर आगे लिखते हैं कि ' नायक पूजा के लिए कभी देश हित की बलि नहीं चढ़ाई जानी चाहिए'....नायक पूजा अपने आधे अनुयायियों को मूर्ख और शेष आधों को पाखंडी बना देती है और अपनी सर्वोच्चता के गढ़ को सुदृढ़ करने में व्यापारिक घपने और घन कुबेरों से सहायता ली जाती है और देश में पैसा संगठित शक्ति के रूप में चुनावी मैदान उतरता है। अतः नीतिगत स्तर पर सरकारें व्यापारियों के हितों का पूरा -पूरा ख्याल रखने लगती हैं। सरकार को चलाने के लिए दलों का होना आवश्यक है। लोकतांत्रिक सरकार तभी लोकतांत्रिक रह सकती है जब वहां विपक्ष हो जेनिमस ने कहा है कि ' यदि विपक्ष नहीं है तो वहां लोकतंत्र भी नहीं है'। इन विचारों के परिश्रेष्ठ में बुद्धिजीवी वर्ग और नागरिक समाज को विपक्ष की भूमिका में होना चाहिए और लोकतंत्र के मामले में सत्ता से प्रश्न पूछते रहने का कार्य किया जाने चाहिए लेकिन व्यक्ति केन्द्रित राजनीति सवालों के जवाब और उनकी जिम्मेदारी लेने से बचती है। कुछ ऐसे ही सवाल रूजवेल्ट ने अमरीकी जनता के सामने रखे थे: ये सवाल भारतीय सन्दर्भों में भी शामिल है। जैसे : शासन कौन करेगा, पैसा या मानव? कौन नेतृत्व करेगा, पैसा या प्रतिभा? सार्वजनिक पदों पर कौन आसीन होगा गरीब,शिक्षित, स्वतंत्र, देशभक्त अथवा पूंजीवादी गुटों के समूह? सामन्तीवाद? फिलहाल भारत की राजनीति के सन्दर्भों में इन प्रश्नों के उत्तर व्यक्ति केन्द्रित राजनीति में न होकर सामाजिक मूल्यों की राजनीति में समाहित है। भारतीय संविधान का वास्तविक उद्देश्य पूर्ण सामाजिक लोकतंत्र स्थापित करना है और यही उद्देश्य राजनीति का भी होना चाहिए।

दरअसल प्रेम निवेदन का ही पर्याय है छेड़खानी

कन्या ,अथवा उसका भाई या बाप इसका बुरा न मानें।इनके बुरा माने जाने का डर ही वो वजह है जिससे हमारे देश में कानून एवं व्यवस्था बनी हुई है।छेड़खानी दरअसल प्रेम निवेदन का ही पर्याय है। हमारे पुराणों में मत्स्य कन्या सत्यवती का जिक्र है।नदी पार करने के लिए ऋषि पाराशर उसकी नाव में बैठे। उसकी सुंरता पर रीझे।कन्या को अपनी अभिलाषा सूचित की उन्होंने। वो सरल कन्या ऋषि के निवेदन को ठुकरा नहीं सकी।नदी नाव और की सार्वजनिक उपस्थिति को देखते दुर कोहरे के वितान का इंतजार भी किया ऋषि ने।सांस्कृतिक कार्यक्रम उपरांत ऋषि ने उसे आजीवन सुगंधित और चिरकुमारी रहने का आशीर्वाद दिया। इस कथा का सार यह कि यदि पुरुष समर्थ है तो छेड़खानी दोनों ही पक्षों को प्रसन्न कर सकती है।और इसे आध्यात्मिक क्रिया माना जा सकता है।

छेड़खानी कभी वर्जित विषय रहा नही हमारे यहाँ।हमारे पारिवारिक रिशतों में भी छेड़खंड की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है।भाभी देवर ,जीजा साली के बीच हँसी मजाक ,छेड़खानी शास्त्र सम्मत मान्य है।हमारी संस्कृति में।होली जैसे पर्व भी इसी मनोवृति को समर्पित है ,होली का एक दिन केवल इसलिए निश्चित किया गया है ताकि जो अभागे सम्पूर्ण वर्ष इस आनंद से वंचित रहे वे भी अपने

मन की भड़प्पस निकाल लें।इस दिन ससुर और जेठ के देवर हो जाने को अन्याथा नहीं लिया जाता।और शायद यही कारण है कि होली हमारा सार्वधिक लोकप्रिय त्यौहार है।

छेड़खानी मनोरंज है हमारा।हमारी हिंदी फिल्मों को ही देख लें।हिंदी फिल्मों के हीरो आधी फ़िल्म में हीरोइन को छेड़ता है और बची हुई आधी फ़िल्म में अपनी बहन को विलेन से छिड़ने में बचता है।आप समझ नहीं पाते कि जब हीरो और विलेन एक जैसी ही सांस्कृतिक क्रिया में लिस है तो हीरोइन खुश क्यों होती है और हीरो की बहन क्यों बुरा मान जाती है।दरअसल छेड़खानी तभी दुस्साहस है जब आपको नायिका इसे अन्याथा ले।यदि आपको छेड़खानी उसे भाव रही है, तब तो आपको चाँदी है और यदि ऐसा नहीं तो आपको सर मुँडाने के बाद गंधे की सवारी भी करना पड़ सकती है।यह तो हुई पुराणों और फ़िल्मों की बातें। सच बात तो यह कि हर भारतीय पुरुष छेड़खानी की कला में सिद्धहस्त मानता है।खुद को। इस कला के प्रदर्शन के लिए चौबीसों घंटे तत्पर बना रहता है। किसी भी कन्या की उपस्थिति मात्र से उनकी आँखें चमकने लगती हैं।कन्या ,कन्या होने भर से छेड़खानी की पात्र हो जाती है।हमारे देश में।एकांत हो ,भीड़ हो ,किसी कन्या का दिखना भर पर्याप्त होता है।

जब भी ऐसा होता है भारतीय पुरुषों का रोम रोम तड़पने लगता है।मन की करने के लिए।यदि भारतीय दंड संहिता या पिटने का खतरा न होता तो भारतीय पुरुष छेड़खानी के अलावा और कुछ करना चाहते मुझे इस बारे में भारी संदेह है।

छेड़खानी का परिणाम पीटा जाना ही हो हर बार ,ऐसा भी जरूरी नहीं। छेड़खानी कला है और आप इस कला में पारंगत है तो आप कन्या की प्रशंसा भी प्राप्त कर सकते है।देखने दिखाने में ठीकठाक हों आप। जेब में भरा हुआ पर्स हो और बाले बनाना आता हो आपको तब तो आप मास्टर्ड हो सकते है।इस विधा के।मनोविज्ञान का जानकार होना आपको सफल बना सकता है।छेड़खानी यदि शिक्षा पूर्ण है ,तभीजु की हद में हो।लाइकी की प्रशंसा का भाव शामिल हो उसमें तो मुम्किन है आप अपनी करनी में सफल हो जाए। यदि आपने जीवन मे किसी लड़की को छेड़ा नहीं। छेड़ने का प्रयास या विचार नहीं कियातो आपके इस ग्रह के निवासी होने बावत शक होगा मुझे।यदि आपने पैदास किया है और समस्त विघ्न बाधाओं से सुरक्षित रहते हुए किया है ,आपके ऐसा करने से लड़कियां प्रसन्न होती हैं तो यकीनन आप आकर्षक सुदर्शन समर्थ और निडर मनुष्य है।और मुझे आपसे मिलकर खुशी होगी।

सजगता

दिनेश दिनकर



वर्ष 2024-25 का शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है और स्कूलों में दाखिले की प्रक्रिया भी चल रही है। अमूमन स्कूलों में जाने के लिए बच्चों को कहा जाता है किन्तु शिक्षा के क्षेत्र में जैसी विकराल परिस्थितियां बनी हुई हैं, उसके लिए बच्चों से पहले उनके पेरेंट्स को स्कूलों में जाकर जरूरी पूछताछ करनी चाहिए। अक्सर देखा जाता है कि पेरेंट्स अपने स्तर पर स्कूलों में जाकर पूछताछ करने की बजाय नजदीकी स्कूल में ही अपने बच्चों का दाखिला करवा देते हैं या फिर अपने किसी परिचित के सुझाव पर जिस स्कूल में उनके बच्चे पढ़ रहे हैं, वहां अपने बच्चों का भी दाखिला करवा देते हैं। जिससे बहुत बार स्कूल प्रशासन द्वारा असहयोगात्मक रवैये और बच्चों की पढ़ाई के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध ना होने पर बच्चों के व्यक्तित्व तथा पढ़ाई के प्रभावित होने की संभावना बनी रहती है। ज्यादातर पेरेंट्स स्कूल की इमारतों में अंदर जाकर पूछताछ करने की बजाय इमारतों पर लगे बड़े-बड़े कांचों से प्रभावित होकर अपने बच्चों का दाखिला करवा देते हैं या फिर स्कूल के अंग्रेजी भाषा में नाम होने से ही प्रभावित हो जाते हैं जिससे बाद में बच्चों को ऐसे स्कूलों में अपनी मातृभाषा हिंदी बोलने पर ही जुर्माना देना पड़ता है।

पिछले सप्ताह ईद की छुट्टी होने के बावजूद भी कुछ स्कूलों ने छुट्टी नहीं की थी। महेंद्रगढ़ जिले में एक प्राइवेट स्कूल की स्कूल बस का ड्राइवर बच्चों को लेकर स्कूल में जा रहा था, इस दौरान बस ड्राइवर ने शराब पी रखी थी और लापरवाही से बस चला रहा था। जिस कारण बस का दर्दनाक एक्सीडेंट हो गया और मौके पर ही 6 बच्चों की मौत हो गई। 25 से ज्यादा बच्चों को गंभीर हालत में हस्पताल में एडमिट कराया गया। इस मामले में पुलिस प्रशासन ने बस ड्राइवर, स्कूल प्रिंसिपल और स्कूल के सचिव को गिरफ्तार कर लिया और आगे



की कार्यवाही की जा रही है। शिक्षा विभाग भी अपने स्तर पर कार्रवाई करने की बात कर रहा है। किन्तु जिन पेरेंट्स के बच्चे इस हादसे में अपनी जान गंवा चुके हैं, वे पेरेंट्स कुछ नहीं कर पा रहे हैं। बस! घर पर बैठे हैं हताश और निराश।

जब हम बाजार से सब्जी खरीदते हैं तो उसके लिए भी सब्जी बेचने वाले से कई तरह के सवाल करते हैं कि सब्जी ताजी है या पुरानी है, सब्जी जल्दी खराब तो नहीं होगी, इसके साथ हरी मिर्च और धनिया मुफ्त में मिलेगा या नहीं, भाव ठीक-

ठीक लगा लो, इत्यादि। किन्तु अपने बच्चों का स्कूल में दाखिला करवाते समय कोई पूछताछ नहीं करते हैं और मोटी फीस भरकर सोचते हैं कि अब बच्चे की पढ़ाई और भविष्य की जिम्मेदारी स्कूल वालों की है, हमारी नहीं। पेरेंट्स की इन्हीं गलतियों का फायदा स्कूल वाले उठा रहे हैं जिसके दुष्परिणाम हमारे बच्चों को झेलने पड़ते हैं। अतः स्कूल में बच्चों के दाखिले करवाते समय विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए और गंभीरता के साथ पेरेंट्स को जांच-पड़ताल करनी चाहिए।

...आओ पेरेंट्स स्कूल चलें

अक्सर देखा जाता है कि पेरेंट्स अपने स्तर पर स्कूलों में जाकर पूछताछ करने की बजाय नजदीकी स्कूल में ही अपने बच्चों का दाखिला करवा देते हैं या फिर अपने किसी परिचित के सुझाव पर जिस स्कूल में उनके बच्चे पढ़ रहे हैं, वहां अपने बच्चों का भी दाखिला करवा देते हैं। जिससे बहुत बार स्कूल प्रशासन द्वारा असहयोगात्मक रवैये और बच्चों की पढ़ाई के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध ना होने पर बच्चों के व्यक्तित्व तथा पढ़ाई के प्रभावित होने की संभावना बनी रहती है। ज्यादातर पेरेंट्स स्कूल की इमारतों में अंदर जाकर पूछताछ करने की बजाय इमारतों पर लगे बड़े-बड़े कांचों से प्रभावित होकर अपने बच्चों का दाखिला करवा देते हैं या फिर स्कूल के अंग्रेजी भाषा में नाम होने से ही प्रभावित हो जाते हैं जिससे बाद में बच्चों को ऐसे स्कूलों में अपनी मातृभाषा हिंदी बोलने पर ही जुर्माना देना पड़ता है।

स्कूल गेट पर नियमित रूप से चौकीदार रहता है या नहीं। स्कूल की इमारत कितनी पुरानी है और दीवारों पर कहीं गहरी दरार या प्लास्टर टूटा हुआ तो नहीं है।

स्कूल में शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टाफ में महिला-पुरुष स्टाफ किस अनुपात में है।

स्कूल बसों की फिटनेस, बस ड्राइवर का लाइसेंस, बस में परिचालक और एक महिला सहायक अनिवार्य रूप से होनी चाहिए।

बस में जीपीएस सिस्टम एक्टिव हो तो बेहतर होगा जिससे सुबह बच्चों को बस में बिठाने और दोपहर को छुट्टी के बाद घर ले जाने के लिए उचित समय पर निर्धारित बस स्टॉप पर पेरेंट्स पहुंच जाएं।

स्कूल में पुस्तकालय, खेल का मैदान, विज्ञान प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लैब, कैटीन, स्टेशनरी की दुकान, पीने के पानी के लिए वाटर कूलर की व्यवस्था जरूर होनी चाहिए।

स्कूल में बिजली की व्यवस्था, जरूरत पड़ने पर जनरेटर की सुविधा, पंखों और डेस्क की उपयुक्त उपलब्धता, खिड़कियों में कांच हैं या नहीं और साफ सफाई की व्यवस्था होनी चाहिए।

सुरक्षा की दृष्टि से स्कूल बस और स्कूल में सीसीटीवी कैमरे जरूर होने चाहिए। मेडिकल एमरजेंसी के लिए स्कूल बस और स्कूल में फर्स्ट-एड-बॉक्स, नियमानुसार अग्निशमन यंत्र जरूर होना चाहिए।

पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशाला और कम्प्यूटर लैब, कैटीन में भी अग्निशमन यंत्र होने चाहिए।

स्कूल बस और स्कूल वैन पर स्कूल का नाम, गाड़ी की नंबर प्लेट, स्कूल संचालक का टेलीफोन नंबर, पुलिस कंट्रोल रूम और चार्ज्ड हेल्पलाइन नंबर जरूर लिखे होने चाहिए।

पेरेंट्स को समय-समय पर चेक करते रहना चाहिए कि स्कूल बस/स्कूल वैन में कितने बच्चों के बैठने के लिए सीट है और कितने बच्चे यात्रा कर रहे हैं।

स्कूल में सफाई कर्मचारी, चौकीदार, बस के ड्राइवर, सहायक, कैटीन के स्टाफ इत्यादि की वर्दी निर्धारित होनी चाहिए।

प्रत्येक कक्षा से 5-5 बच्चों के पेरेंट्स अगर एक समूह बनाकर सुरक्षा की दृष्टि से नियमित रूप से इन सुविधाओं का मूल्यांकन करते रहें तो स्कूल की पहचान, बच्चों की सुरक्षा के लिए बेहतर रहेगा।

कक्षाओं में प्रत्येक विषय के अलग-अलग शिक्षक/शिक्षिका होनी चाहिए ताकि बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से चल सके।

पेरेंट्स-टीचर मीटिंग के दौरान सभी पेरेंट्स को इन सभी मुद्दों पर स्कूल प्रशासन से सार्थक चर्चा करनी चाहिए।

और हां, पेरेंट्स को स्कूल फीस में कटौती करवाकर बच्चों की असुविधा में बढ़ोतरी नहीं करने देना चाहिए। क्योंकि रूपए आप जिंदगी भर कमा सकते हो किन्तु बच्चों की सुरक्षा से एक बार खिलवाड़ हुआ तो फिर जीवन भर पछताना ही पड़ेगा।

वक्त्रोक्ति

डॉ. एनके सोमानी

तेरुक्क एमजेजे गर्ल्स कॉलेज, सूरतगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के व्याख्याता हैं।

चुनावों का मौसम है। भाषणों की बदरिया छायी है। आज आश्वासनों के छिंटे टपके हैं। कल वोट रूपी फसल पकेगी। परसों वह ही...ही करते हुए इस फसल को काटेंगे। आह! कितना मनोरम दृश्य है। नेता सड़कों पर है। सड़कों पर नारे हैं। नारों में विकास है। विकास को भुनाने का शायद यही बेहतर समय है। बड़ा अहो भाग्य है वह जो यह झांकी देख रहा है। चुनाव का महाकुंभ रोज-रोज नहीं आता। पांच साल की लंबी पहाड़ सी रात के बाद उम्मीद का सूर्य उदय हुआ है। धन्य है निर्वाचन आयोग जिसने टूटती सांसों को फिर से चुनावी मास्क पहनाकर स्थिर कर दिया है। दिल्ली में कम दबाव का क्षेत्र बना तो देश में चुनाव के बादल गड़गड़ाने लगे। बादलों की गड़गड़ाहट हुई तो मोर्चे रूपी छतरियां खुलने लगीं। गठबंधन के तन्बू तनने लगे। पाले बदलने की जो होड़ अब तक धीमे-धीमे चल रही थी यकायक उसमें उफान आ गया है। कल जिसे लतिया रहे थे आज उसी के स्वागत में बिछे जा रहे हैं। कल तक जो एक दूसरे का ‘डीएनए’ चैक कर रहे थे आज आशीर्वाद की

मुद्रा में हाथ उठाये हुए है। एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने वाले आज एक-दूसरे के दाग छिपा रहे हैं। एकता और भाईचारे का ऐसा बंधन जाने फिर कब देखने को मिलेगा। यही गठबंधन का मजा है। यही मोर्चे का आनंद है। गठबंधन! बड़ा मायावी और उलझा हुआ शब्द है। यह भाषा शास्त्रियों के लिए विमर्श का विषय है तो दर्शन शास्त्रियों के लिए उत्सुकता का। इसकी बड़ी वजह भी है। दरअसल, गठबंधन ऐसा बंधन होता है जो दूर से देखने पर बंधा-बंधा सा दिखता है, पर भीतर से खुला-खुला बिखरा हुआ सा। जैसे बंद मुट्ठी लाख की..... खुली मुट्ठी खाक की।

गठबंधन वह नहीं जो हमेशा बंधा रहे। एक जुट रहे। गठबंधन वह है जो बने और बनने के बाद बिखरे। गठबंधन का तात्कालिक उद्देश्य चाहे कुछ भी हो बिखरना उसका अंतिम उद्देश्य होता है। जिस गठबंधन में बिखरने की भरपूर संभवाना हो उसमें लोग तबियत से रूचि लेते है। राजनीतिक विश्लेषक और मीडिया भी उन्ही गठबंधनों की बात करते है जिनमें बिखरने की भरूप संभावना हो। कच्ची और छोटी उम्र में बिखरने वाले गठबंधनों का लंबा इतिहास इस देश में रहा है। कुछ अल्पज्ञानी अज्ञान और भ्रमवंश गठबंधन



और मोर्चे को एक मान लेते हैं। लेकिन दोनों एक नहीं हैं। अलग-अलग हैं। दोनों के अंतर को जानने के लिए हमें अंग्रेजी शब्द कोश की ओर देखना पड़ेगा। यही नियती है हमारी।

समस्या के समाधान के लिए पश्चिम की तरफ देना हमारा स्वभाव है। मोर्चे की अंग्रेजी में ‘फ्रंट’ कहते हैं। जैसे यूनाइटेड फ्रंट या थर्ड फ्रंट। जबकि गठबंधन को ‘एलायंस’ कहा

जाता है- जैसे ‘इंडिया’ और एनडीए। यह तो हुआ शाब्दिक विभेद। मूल्य और सिद्धांत के स्तर पर भी दोनों एक नहीं बैठते। दोनों में बड़ा भारी अंतर है। क्या अंतर है। यह मैं इसलिए नहीं लिख रहा हूँ कि मैं स्वयं इनके अंतर को आज तक नहीं जान पाया हूँ। लेकिन यह तय है कि दोनों एक नहीं हैं। अलग-अलग हैं। जिसको भाषाशास्त्री एक नहीं मानते भला मैं उसको एक मानने की जुर्रत कैसे कर सकता हूँ। शास्त्रियों से शास्त्रार्थ करना तो वैसे भी अपना स्वभाव नहीं है। दो गली छोड़कर ही निकलता हूँ। चुनाव से पहले और चुनाव के बाद गठबंधन होना जरूरी है। बिना गठबंधन के चुनाव नीरस, शुष्क, उबाऊ और बोझिल से हो जाते है। चुनाव को रसीला, जायकेदार और सुस्वादू बनाना हो तो गठबंधनों का फ्लेवर और मोर्चों की चाशनी जरूरी है। जो गठबंधन चुनाव से पहले बनते है वे चुनाव तक बिखर जाते हैं। जो चुनाव के बाद बनते है वो सरकार बनने से पहले बिखर जाते है। गठबंधन होते ही इसलिए है कि वो वक्त जरूर काम आए और बिखर आए। गठबंधन रूपी नाव के सहारे चुनाव की वैतरणी पार करने वालों को बीच भंवर डूबते हुए इस देश ने देखा है।

दृष्टिकोण

आरबी त्रिपाठी



इन दिनों जब हमारे चहुँओर सियासती माहौल है और ‘कभी इधर कभी उधर’ का खेला खुलेआम चल रहा है तब क्यों ना इससे हटकर कुछ अच्छा सोचा जाये, कुछ अच्छा किया जाये। सियासत में आयाराम गयाराम अब बहुत पुराना पड़ चुका है सो, हम कभी इधर कभी उधर का उपयोग कर रहे हैं। इसे ऐसे भी समझ सकते हैं कि ‘आजा मेरी गाड़ी में बैठ जा, जा अब मेरी गाड़ी से उतर जा’ बेसब्र और अधीर लोग चार जून का इंतजार किये बगैर इधर से उधर और उधर से इधर हो रहे हैं तथा कुछ लोग पुनः मुषको भवः की तर्ज पर वापस भी चले आ रहे हैं। ऐसे लोगों को लगता है कि ब्रह्म ज्ञान की प्राप्ति जल्दी ही हो गई लगती है। यह सिलसिला लगातार जारी है भले ही देश की सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा के पहले चरण के लिये मतदान हो चुका है। इसी तरह के छह चरण और होना बाकी है। आने वाले जून माह की चार तारीख को नतीजे आने पर ही पता चल सकेगा कि आखिर ऊंट किस करवट बैठता है? लोकसभा चुनाव के सबसे लम्बे निर्वाचन कार्यक्रम में भाषणों और बयानबाजी में शब्दों, भाषा का स्तर और भी नीचे गिर गया है। बहुत अशोभनीय तरीके से आरोप प्रत्यारोप, टीका टिप्पणियां की जा रही है। राजा रजवाड़े और मुगलों का शासन तो कब का समाप्त हो चुका है फिर भी ‘शहजादे’ की उपमा बारम्बार देने से कोई परहेज नहीं किया जा रहा है। महिलाओं के सोभाग्य और सुहाग के प्रतीक मंगलसूत्र तक भी बात बहुत चुकी है तो लोगों का खान पान भी अब सार्वजनिक किया जाने लगा है। कथित

आइये, सियासती माहौल के बीच करते हैं कुछ अच्छा अनुभव

परिवारवाद के नाम पर राष्ट्र नायकों के नामों का उल्लेख गलत संदर्भ में किया जा रहा है। जवाब में विपक्षी दलों का गठबंधन भी पीछे नहीं है। उधर से भी तरकश के सभी तीरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। देश के हालात ऐसे हैं कि मणिपुर जैसे सीमांत और संवेदनशील राज्य में प्रदर्शन और हिंसा की घटनाएं अभी भी चलती रहती है। उधर नगालैंड में छह जिलों के मतदान में पोलिंग बूथ सूने पड़े रहे और मतदाताओं ने चुनाव का कथित बहिष्कार किया। मणिपुर में कुछ जगहों पर पुनर्मतदान की नौबत आन पड़ी है। एकं और संवेदनशील स्थान लेह में अलग तरह का आंदोलन चलता रहा जिसे लगभग नजरंदाज किया जाता रहा है। आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल से लेकर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र सहित हिंदी पट्टी के कहे जाने वाले राज्यों और दक्षिण के प्रदेशों में शांतिपूर्ण मतदान किसी चुनौती से कम नहीं है।

इन चुनावों में ना तो कोई लहर दिखाई पड़ती है और ना ही कोई आक्रोश या एंटी इनकमबेनसी। ऐसे में अंडर करंट के अनुमान लगाये जा रहे हैं। बल्कि मतदाता मौन है और कुछ हद तक भ्रमित भी। वन नेशन वन इलेक्शन की दुहाई के बीच कतिपय लोगों और मीडिया द्वारा आशंका जाहिर की जा रही है कि इन चुनावों के बाद कभी चुनाव होंगे या नहीं ? वहीं दूसरी ओर ईवीएम की बजाय बैलेट पेपर से चुनाव की मांग और इलेक्ट्रॉल बाण्ड को लेकर विवाद चल रहे हैं। मामला देश की सबसे बड़ी अदालत तक पहुंच चुका है। चुनाव प्रचार में कोई देश बचाने की बात कर रहा है तो कोई संविधान और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं को बचाने की।



मीडिया रिपोर्ट में यह भी कहा जा रहा है कि यह चुनाव मुद्दा विहीन है। ऐसा कहने वाले वो लोग हो सकते हैं जो महंगाई, बेरोजगारी आदि को मुद्दा शायद नहीं मानते। मैं स्वयं विद्यार्थी जीवन यानी 1977 से देश के चुनावों पर नजर रखता आ रहा हूँ लेकिन 2024 के इन चुनावों जैसे चुनाव अपन ने कभी नहीं देखे। एक अजीब सा माहौल और सन्नाटा पसरा हुआ है इन चुनावों में जिनमें मतदाताओं के रुख का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं तो आसान भी नहीं लगता।

अपने आसपास और देश-प्रदेश के ऐसे

वातावरण में अपन ने पिछले कुछेक दिनों में ही भोपाल में आंधे दर्जन से ज्यादा स्थानों पर श्रीमद् भागवत महापुराण और श्री राम चरित मानस की कथाओं का पूरे मन से श्रवण किया। जिससे कि कुछ समय के लिये ही सही सियासती माहौल और व्यर्थ की चिह्न-पों से कुछ हद तक निजात मिल सके। इस समय का सदुपयोग कर हमने व्यास गादी पर विराजित विद्वानों द्वारा वर्णित प्रेरक प्रसंगों को सुना और मुख्य बातों को अपने मित्रों और सम्पर्क में रहने वाले शुभचिंतकों के साथ नियमित रूप से साझा भी किया। इस अवधि में वृन्दावन से

पधारे श्रीहित योगेन्द्र वल्लभ जी महाराज द्वारा की गई कथाओं का भोपाल के रुद्राक्ष पार्क कालोनी में, मानस भवन में भागवताचार्य पंडित राम कृपालु महाराज, बिड़ला मंदिर में आचार्य प्रदीप रथ, श्री कृष्ण प्रणामी मन्दिर प्रांगण में पंडित मुकेश जी महाराज तथा ई 7 अरेरा कॉलोनी में शशांक शेखर महाराज आदि द्वारा की गई प्रेरक कथा प्रसंगों को श्रवण करने का दुर्लभ अवसर प्राप्त हुआ।

इन विद्वजनों के मुखारविंद से भागवत और मानस के सरस प्रसंगों को सुनकर लगा कि अंततः अध्यात्म के साथ जुड़ने और निस्पृह, निर्विकार भाव से कथाओं का रसास्वादन करना निर्वर्तमान में सभी के लिये श्रेयस्क़र है। अन्यथा कतिपय समाचार पत्रों में प्रकाशित व्यर्थ की टीका टिप्पणियों, भ्रमित करने वाले भाषणों, कथित गोदी मीडिया द्वारा न्यूज चैनलों पर निरंतर चलाई जा रही व्यर्थ की चर्चाओं और कभी ना खत्म होने वाली बहसों, अहंकारी बातों से आपका पीछा नहीं छूटने वाला। सो, कुछ वक्त के लिये ही सही इनसे छुटकारा पाने में ही भलाई है।

इन कथाओं को श्रवण करने का सार तत्व यह रहा कि भागवत कथा और मानस के सन्देश और शिक्षा को सही रूप से समझकर जीवन में उतारने की जरूरत है। श्रीमद् भागवत के मर्म को समझ लिया तो समझो कि जीवन सफल हो गया। वेद पुराणों में आध्यात्मिक यात्रा यानी अपने अंदर की यात्रा करने का मार्ग बताया गया है। प्रभु के नाम स्मरण की अनुपम अनन्त महिमा है। भाव, कुभाव और आलस्य से भी भगवान के नाम का स्मरण मनुष्य जीवन के लिये कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। मानव शरीर मणि की भांति है इसे सद्कर्मों की ओर प्रवृत्त करें। मानस में कहा गया है ‘बड़े भाग मापुष तन पावा।’



दिव्यांगजनों को दिलाई मतदाता जागरूकता की शपथ



बैतूल। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत अधिक से अधिक मतदान के लिए किए जा रहे प्रयासों के अनुक्रम में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय द्वारा दिव्यांग जनों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण सुश्री रोशनी वर्मा ने बताया कि स्वीप प्लान के अंतर्गत बैतूल में आयोजित इस कार्यक्रम में दिव्यांगजनों ने बड़े ही उत्साह से कार्यक्रम में मतदाता जागरूकता की शपथ ली। मतदान के लिए आमंत्रित करने वाले स्लोगन्स का वाचन किया गया। सुश्री वर्मा ने बताया कि कलापथक दल द्वारा मतदान से संबंधित गीतों की स्थानीय भाषा में प्रस्तुति दी गई। दिव्यांगजनों के यूट्यूब आईडी कार्ड बनवाए गए। इस योजना में 23 हितग्राही लाभान्वित हुए।

माइन्ड्स आई इंटरनेशनल स्कूल का शत-प्रतिशत रहा रिजल्ट

8वीं में सभी प्रथम श्रेणी में हुए उत्तीर्ण



बैतूल। माइन्ड्स आई इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने अन्य गतिविधियों के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी अपना परचम लहरा कर साबित कर दिया है कि यदि मेहनत लगन से की जाए तो हर कठिन राह आसान हो जाती है। स्कूल का 5वीं और 8वीं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। 8वीं बोर्ड के सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में और 5वीं कक्षा के 92 प्रतिशत विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। 8वीं में प्रथम कामना प्रजापति 86 प्रतिशत, द्वितीय मुस्कान देशमुख 85.8 प्रतिशत, तृतीय गौतमी राठौर 85.7 प्रतिशत और 5वीं कक्षा में प्रथम पीहू राठौर 92 प्रतिशत, द्वितीय लावण्या माकोड़े 91 प्रतिशत तृतीय नव्या चौहान ने 90.5 प्रतिशत प्राप्त किए। बच्चों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के संरक्षक अनिल राठौर, संचालक डॉ.ओपी राठौर, सचिव डॉ.रिशांक राठौर, प्राचार्या श्रीमती रश्मि कमाविसदार,शाला स्टाफ सहित ईष्टमित्रों और परिजनों ने बधाई दी है।

डर से जीतना सिखाते हैं हनुमानः विजय आर्य

जय हनुमान व्यायाम शाला ने मनाया हनुमान जन्मोत्सव



बैतूल। जय हनुमान व्यायाम शाला बैतूल द्वारा हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य के श्री राधाकृष्ण धर्मशाला के सामने उंडा मीठा शरबत और प्रसादी वितरण किया गया। उस्ताद विजय कुमार 'खेही' ने कहा कि हनुमान गुणों की खान है उनसे बहुत कुछ सीखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हनुमान का चरित्र बताता है कि दूर से जो चीजें समस्या की तरह दिखती हैं, वो समाधान भी हो सकती हैं, भगवान हनुमान डर से जीतना सिखाते हैं, समस्या से डरें नहीं, उसे कैसे सुलझाया जा सकता है ये सोचें, समय कम हो और काम ज्यादा तो बल का प्रयोग करें और दुरुमन की ताकत और धन-दौलत देखकर भी उससे प्रभावित ना हों। उन्होंने कहा कि महाबली ने बताया कि आदर्श दिनचर्या रखते हुए संयम का पालन करें। इस अवसर पर रवि मिश्रा, विनोद बुंदेले, मोहन बुंदेले, दीपक छहरिया, रवि सुरे, सुनील सोनी आदि व्यायाम शाला के पदाधिकारी और पहलवान मौजूद थे।

राज्य स्तर पर 5वीं में 22वीं रैंक तथा 8वीं में 16वीं रैंक पर रहा बैतूल जिला

5वीं का 93.59 और 8वीं का 91.72 प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम



परीक्षा में सम्मिलित हुए एवं 21,957 बच्चे परीक्षा में उत्तीर्ण हुए, जिसमें ए एवं ए-प्लस बच्चों की संख्या 7,055 रही परीक्षा परिणाम 91.72 प्रतिशत एवं ग्रेड ए एवं ए-प्लस बच्चों का प्रतिशत 29.47 रहा। राज्य स्तर पर कक्षा 8वीं में बैतूल जिला 16वीं रैंक पर रहा। इस प्रकार सत्र 2022-23 की तुलना में सत्र 2023-24 में परीक्षा परिणाम में 11.86 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथा जिले ने 33वीं रैंक से 22वीं रैंक हासिल की। वहीं कक्षा 8 की में 24,715 बच्चों में से 23,938 बच्चे

रैंक हासिल की। **चिचोली रहा जिले में अक्वल-** सत्र 2023-24 में जिले के विकासखंड चिचोली का कक्षा 5वीं का परीक्षा परिणाम 99.09 प्रतिशत एवं कक्षा 8वीं का परीक्षा परिणाम 98.70 प्रतिशत रहा, जो जिले में प्रथम स्थान पर है। सत्र 2023-24 की वार्षिक परीक्षा में उत्तीर्ण बच्चों को कलेक्टर बैतूल नरेंद्र सूर्यवंशी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बैतूल अक्षत जैन द्वारा उनके उज्ज्वल

भविष्य की शुभकामनाएं दी। सत्र 2023-24 में जो बच्चों परीक्षा में अनुपस्थित थे एवं मुख्य परीक्षा 2024 में जिन विषयों में अनुत्तीर्ण हुए है, उन बच्चों की पुनः परीक्षा जून-जुलाई 2024 में आयोजित की जायेगी, इस हेतु प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला के प्रधान पाठकों को निर्देशित किया गया है कि उक्त श्रेणी के बच्चों की माह जून 2024 में परीक्षा की तैयारी करवाकर पुनः परीक्षा में शत-प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करें।

सरस्वती विद्या मंदिर कालापाठा का परीक्षा परिणाम रहा उत्कृष्ट

बैतूल। राज्य शिक्षा केंद्र मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा घोषित कक्षा 5वीं एवं 8वीं का सरस्वती विद्या मंदिर कालापाठा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। कक्षा 8वीं में अध्ययनरत् सभी 65 छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण घोषित हुए हैं। विद्यालय का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा इसी प्रकार कक्षा 5वीं में सभी छात्र-छात्राओं ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की। विद्यालय की इस उपलब्धि पर विद्यालय संचालन समिति महर्षि अरविन्द शिक्षा समिति ने छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। प्रबंध समिति के अध्यक्ष कश्मीरलाल बतरा, सचिव मुकेश खडेलवाल ने विद्यालय परिवार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है। कक्षा 8वीं में साक्षी सहाने ने 91 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय में प्रथम स्थान और कक्षा 5वीं में दक्ष महाले ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इनकी इस उपलब्धि पर संस्था के प्राचार्य संजय उपाध्याय, शाला स्टाफ, इष्ट मित्रों और परिजनों ने बधाई दी है।



कॉलेज में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने सेल्फी पाइंट स्थापित किया

40 प्राध्यापकों एवं 100 से अधिक विद्यार्थियों ने ली सेल्फी



बैतूल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर बैतूल के निर्देश के परिपालन में प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे के संरक्षण में, स्वीप के जिला संगठक डॉ. सुखदेव डोंगरे के मार्गदर्शन में, डॉ. दीपक मानकर के संयोजन में, अर्पण पवार, रंजीत कास्टे, सुरभि जैन, ऋषक पारिसे द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जयवंती हक्सर शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय बैतूल में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए सेल्फी पाइंट स्थापित किया। सेल्फी पाइंट पर प्राचार्य सहित 40 प्राध्यापकों एवं 100 से अधिक विद्यार्थियों द्वारा फोटो खींचकर महाविद्यालय के रूप में शेयर किए। अनेक विद्यार्थी स्वप्रेरणा से आकार फोटो ले रहे थे। सेल्फी पाइंट पर 'मेरा वोट, मेरा अधिकार', भारत का भावी मतदाता, मेरा पहला वोट देश के लोकसभा निर्वाचन 2024 के अनेक कोटेशन अंकित किए गए। इस अवसर पर नवीन नागले और ललित ताववाड़े ने सभी प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का आभार माना।

जंगल में बाबा की पूजा करने गए लोगों पर मधुमक्खियों ने किया हमला, धाराखोह की घटना

जंगल में धाराखोह बाबा की पूजा करने गए लोगों पर मधुमक्खियां ने किया हमला, घोड़ाडोंगरी अस्पताल में भर्ती

बैतूल। जिले के धाराखोह के जंगल में धाराखोह बाबा की पूजा करने गए 15 लोगों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। जिसे सभी घायल हो गए। घायलों को घोड़ाडोंगरी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। घोड़ाडोंगरी अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार भोपाल इटारसी एवं सारणी के करीब 40 से 50 लोग धाराखोह के जंगल में धाराखोह बाबा की पूजा करने गए थे। इसी दौरान खाना बनाने के लिए चूल्हा जलाया गया था। चूल्हे का धुंआ जैसे ही पेड़ पर लगी मधुमक्खियों के छते पर पहुंचा, तो मधुमक्खियों ने लोगों पर हमला करना शुरू कर दिया। जिस पर लोगों ने गांव की ओर भाग कर अपने आप को बचाई। वही मधुमक्खियों के हमले से 15 लोग घायल



दल प्रतिनिधियों के सहमत होने तक दोहराई जाए रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया: ऑब्जर्वर श्री ठाकुर

सेकंड रेंडमाइजेशन में मतदान केंद्रों को आवंटित की गई ईक्वीएम

बैतूल। निष्पक्ष, पारदर्शी एवं स्वतंत्र मतदान के लिए आपके सहमत होने तक रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया दोहराई जाएगी, चुनाव आब्जर्वर प्रदीप ठाकुर ने यह बात मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के प्रत्याशी एवं दल प्रतिनिधि से ईक्वीएम के लिए रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया के दौरान कही। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सेकंड रेंडमाइजेशन के बारे में बताया कि इस प्रक्रिया में लॉटरी की तर्ज पर मतदान केंद्रों के लिए ईक्वीएम आवंटित की जाती है। प्रत्येक राउंड में ईक्वीएम मशीनों का क्रम बदलता रहता है। जिस राउंड पर दल प्रतिनिधि अपनी सहमति व्यक्त करते हैं, उस राउंड को लॉक कर दिया जाता है एवं आखिरी राउंड पर बनी सहमति के आधार पर ही ईक्वीएम आवंटित की जाती है।

रेंडमाइजेशन के अवसर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल भारत आदिवासी पार्टी के प्रत्याशी अनिल उर्दके एवं प्रत्याशी कैलाश धोटे, आईएससी देवेंद्र वाघा, बसपा से वंदना भूमरकर, आप से शैलेश कुमार वाईकर, निर्दलीय रूपेश जावलकर, एवं दल प्रतिनिधि सहित उप जिला निर्वाचन अधिकारी मकसूद अहमद, सहायक कलेक्टर ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम मुलताई, एसडीएम घोड़ाडोंगरी एवं आमला, भैंसदेही, घोड़ाडोंगरी, हरदा, टिमरनी एवं एसडीएम हरसूद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एनआईसी प्रमुख सुश्री रचना श्रीवास्तव द्वारा रेंडमाइजेशन की बिंदुवार एवं विधानसभा वार आवंटन की प्रक्रिया को क्रियान्वित किया गया। रेंडमाइजेशन की



शुरुआत मुलताई के 296 पोलिंग स्टेशन के लिए ईक्वीएम मशीनों का आवंटन किया। इन 296 मतदान केंद्रों में 28 शहरी, 268 ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है। इसके अलावा 81 क्रिटिकल, शेडो 3, पिक मतदान केंद्र 05, आइडियल 05, दिव्यांग 01 एवं युवा 01 पोलिंग स्टेशन है। आमला के 276 पोलिंग स्टेशन के लिए ईक्वीएम मशीनों का आवंटन किया गया। आमला में 93 शहरी, 183 ग्रामीण क्षेत्र में मतदान केंद्र स्थित है, जिनमें 85 क्रिटिकल, शेडो 05, पिक मतदान केंद्र 05, आइडियल 05, दिव्यांग 01 एवं युवा 01 पोलिंग स्टेशन है।

बैतूल के 297 पोलिंग स्टेशन के लिए ईक्वीएम मशीन आवंटित की गई। बैतूल में 103 शहरी, 194 ग्रामीण क्षेत्र में मतदान केंद्र स्थित है। इनमें 79 क्रिटिकल, शेडो 3, पिक मतदान केंद्र 05, आइडियल 05, दिव्यांग 01 एवं युवा 01 पोलिंग स्टेशन है। घोड़ाडोंगरी में 365 पोलिंग स्टेशन के लिए

ईक्वीएम मशीन आवंटित की गई। घोड़ाडोंगरी में 28 शहरी, 337 ग्रामीण क्षेत्र में मतदान केंद्र स्थित है। इनमें 89 क्रिटिकल, शेडो 47, पिक मतदान केंद्र 05, आइडियल 05, दिव्यांग एवं युवाओं 01-01 पोलिंग स्टेशन बनाए गए है। भैंसदेही में 347 पोलिंग स्टेशन के लिए ईक्वीएम मशीन आवंटित की गई। भैंसदेही में 9 शहरी, 338 ग्रामीण क्षेत्र में मतदान केंद्र स्थित है। इनमें 90 क्रिटिकल, शेडो 16, पिक मतदान केंद्र 05, आइडियल 05, दिव्यांग 01 एवं युवा 01 पोलिंग स्टेशन शामिल है।

टिमरनी में 243 मतदान केंद्र के लिए 20 प्रतिशत आरक्षित ईक्वीएम के साथ 291 मशीन आवंटित की गई। हरदा में 274 मतदान केंद्र के लिए 20 प्रतिशत आरक्षित ईक्वीएम के साथ 328 मशीन आवंटित की गई। हरसूद में 257 मतदान केंद्र के लिए 20 प्रतिशत आरक्षित ईक्वीएम के साथ 308 मशीन आवंटित की गई।

हो गए। जिन्हें घोड़ाडोंगरी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

धाराखोह बाबा की पूजा करने पहुंचते हैं लोग-

ग्रामीण सुरेंद्र राजपूत ने बताया कि धाराखोह बाबा की पूजा करने सारनी और भोपाल,बैतूल और इटारसी सहित आसपास के लोग बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। रविवार शाम को भी करीब 40 से 50 लोग यहां पहुंचे थे। जिन पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। लोगों ने अपने आप को गांव की ओर भाग कर बचाई। हमले में करीब 15 से अधिक लोग घायल हो गए। 15 घायल अस्पताल पहुंचे वहीं कुछ लोग सीधे घर चले गए।

अंजनी पुत्र महाबलदायी, संतन के प्रभु सदा सहाई

हनुमान जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

नरसिंहपुत्र। अंजनी पुत्र, वीर बजरंगी, भक्त शिरोधार्य श्री हनुमान जी महाराज की जन्मोत्सव नगर व आसपास के क्षेत्रों में अस्था, श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रातः से ही नगर धार्मिक स्थलों और श्री हनुमान मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिरों में भगवान के दर्शन, हवन चालीसा, सुंदरकाण्ड पाठ, कथावाचन, अभिषेक, आरती, हवन पूजन के साथ दिन भर भंडारा व प्रसाद वितरण का कार्यक्रम चलता रहा। इस अवसर पर बड़ी



संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिरों में जाकर भावान का गुणानुवाद किया। मंदिरों में जन्मोत्सव दिवशें हनुमान की महाराज के जयकारों की अनुगूँज दिन भर सुनाई दी वहीं नगर में इस अवसर पर जुलूस भी निकला गया। जुलूस का स्वागत जगह-जगह पर किया गया। जुलूस में शामिल लोगों का उत्साह और हनुमान की महाराज के जय के नारों का उद्घोष वातावरण में श्रद्धालुओं को अंतिक उत्साह दे रहा था जिससे वातावरण और धर्मयुग्म हो गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। नगर के गुदरी स्थित हनुमान मंदिर,कृष्ण चरममंदिर,बाबाघाट,कृष्णा वाई में पंचमुखी हनुमान मंदिर,गया दत्त वाई में राममंदिर स्थित हनुमान मंदिर, स्टेशन थाना हनुमान मंदिर,सिंधी कालोनी पंचमुखी हनुमान मंदिर, गयावाई स्थित राममंदिर में स्थित हनुमान मंदिर,गैरसा हनुमान मंदिर,चिहई के झिरा हनुमान मंदिर,बगौरी रेले फाटक हनुमान मंदिर,चरहाई हनुमान मंदिर,इंद्र बाई हनुमान मंदिर, नारायणिका चौरहा हनुमान मंदिर,सविल कोट,हत्सली परिसर, सिंचाई कालोनी,थाना प्राणंग स्थित,पीडब्लूडी, पीएचई कार्यालय , वनविभाग,अनादु मंदिर,वेडेलुप के पास,नुसिंह वाई स्थित मन्नाकामनेश्वर मंदिर,नुसिंह मंदिर,झिरा स्थित,सदर महिद्या, जजोला जद स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर जो में जयंती दिवस पर दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। सायं भंडारा की समाप्ति के उपरांत महाअरती की गई जिसमें अंजनी पुत्र हनुमान की महाराज की महाअरती से सभी जगह जन्मोत्सव दिवस का समापन किया गया।

शोभायात्रा निकाली गई

श्री हनुमान जयंती के पावन पर्व पर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुये श्री हनुमान जी की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत और आरती की गई। बड़ी संख्या में लोगों के साथ झांकियां आकर्षण का केन्द्र रहीं।

कलेक्टर द्वारा पांच प्रकरणों में जिला बंदर के आदेश

विधिशा (निप्र) कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट
श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने जिले के पांच आदानत
अपराधियों को जिला बंदर किये जाने के आदेश जारी
कर दिए हैं। लोकसभा निर्वाचन 2024 में निर्वाचन
प्रक्रिया को शांतिपूर्ण व सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराए
जाने हेतु पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला के
प्रतिवेदन पर आनिवेदक सरदार सिंह लोधी पिता हरिसिंह
लोधीउम्र 45 साल निवासी दहल आंवा थाना थारसरपुर,
आकाश उम्र 28वर्षु पिता दयाचंद अहिखार उम्र 23 साल
निवासी वार्ड नं. 04 रविदास कालोनी बासोदा, राज
कुशुबहल पिता मांगीलाल उम्र 21 साल निवासी रावेन्द्र
नगर गंजबासोदा, थाना देहात गंजबासोदा, संग्राम पिता
धनरसिंह लोधी उम्र 38 साल निवासी दैयपुरपुर थाना
हैदराबाद एवं (5) इंद्र सिंह अहिखार पुत्र श्यामलाल
अहिखार उम्र 40 साल निवासी ब्योचो थाना करारिया
चेचहा छह माह की कालाविधि के लिए जिला विधिशा एवं
सीमावर्ती जिले, रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर,
सामर एवं राजगढ़ की राज्यस्व सीमाओं से जिला बंदर
निष्कासन के आदेश जारी किए गए हैं।

जनपद

हर हनुमान मंदिर में मना जन्मोत्सव...

38 डिग्री सेल्सियस तापमान के बाद भी हनुमान भक्तों के उत्साह में कमी दिखाई नहीं दी...

नर्मदापुरम्। श्री हनुमान जन्मोत्सव को लेकर आज नर्मदापुरम् स्थित हनुमान मंदिरों में भक्तों द्वारा की गई पूजा-अर्चना देखने लायक थी। जिन्हें आज के लिए विशेष रूप से सजया सँवारा गया था। इनगर के प्रायः सभी मंदिरों में आज अत्यंत आस्थाना बना की लक्ष्मी और बड़ी कतार दिखाई दी जो अपने आराध्य को पूजारी भक्तर देखने के लिए तो आतुर थे और अपने आराध्य को आँखों से ओझल होने नहीं देना चाह रहे थे, मंदिर में जो लोग खड़े थे वे पीछे हटने को तैयार नहीं थे और जो पीछे थे वो अपने आराध्य को देखने के लिए सफ़ा पाकर भी संतुष्ट थे। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां श्री हनुमान जन्मोत्सव मनाने के लिए मंदिरों में पहुंचे थे वहां सुन्दरकाण्ड हनुमान चालीसा पाठ करने के अलावा श्री हरि नाम संकीर्तन कर भक्तों ने आज अलौकिक सुख पाया दोपर को मंदिरों में हई जन्मोत्सव आरती के पश्चात भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया, श्री हनुमान जन्मोत्सव की खुशी में आयोजित किए गए जगन्मज्जाह हार भंडारे में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण



किया। यूं तो हर वर्ष हनुमान जयंती पर नगर में हनुमान जन्मोत्सव मनाने की



भक्त चल प्रसादी करते रहे हैं लेकिन इस बार नगर
ही भंडारा स्थित हर हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना?

का अलग ही आनंद था जहाँ सुन्दरकाण्ड पाठ सहित हनुमान चालीसा पाठ की धूम मचाई रही, ऐसा लगा मानो अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण में जो भक्त अयोध्या जाकर भगवान राम की प्राण-पतिव्रत समारोह देख नहीं पाया वह आज श्रीराम के अनन्त भक्त श्री हनुमान के जन्मोत्सव में शामिल होकर उस क्षण को महसूस कर लेना चाहते थे। सेठनी घाट पर श्री हनुमान चालीसा पाठ एवं आरत माता आरती समिति ने आज इस मौके पर अद्भुत कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें हनुमान चालीसा पाठ, राम स्तुति, हनुमान आरती के साथ ही भारत माता की आरती की गई। नगर में सैकड़ों की तादाद में स्थित हनुमान मंदिरों में आज धूम धाम रही जिसमें नर्मदा तट स्थित मंगलवारा घाट पर प्रोफेसर केबी तिवारी के सहयोग से निर्मित श्री मंगलेश्वर हनुमान - श्री गणेश शिवार्चवर्ती हनुमान मंदिर - श्री जगदीश मंदिर हनुमान जी - काले महलवडे मंदिर हनुमान जी - श्री खेड़ा पलत हनुमान जी मंदिर की छटा कुछ अलग ही दिखाई दी...

इस दफा क्या मतदाताओं को केंद्र तक लाना चुनौती पूर्ण होगा..

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

जिला मुख्यालय पर प्रशासन शत-प्रतिशत मतदान के लिए ऐंडी चोटी का जोर प्रचार-प्रसार में लगा चुका है। इस काम के लिए प्रदीप रांगने से लेकर रैली प्रदर्शन, राष्ट्रीय थरोहर सहित सड़कों पर होर्डिंग बोर्ड लगाकर अंधे मोड़ इसलिए बना डाले कि मतदान को लेकर जनता जागरूक हो अपने वोट की ताकत वह जाने प्रयोग किया उसका परिणाम अनेकवाली 26 को होने वाले वोट में डाले गए वोटों से सामने आ पायेगा।

हालिया सम्प्रतः 19 अप्रैल के मतदान प्रतिशत ने राजनीतिक पार्टियों को चिंता का विषय दे दिया, कि वोटिंग कम होती है पार्टियों को मुश्किलान उठाना पड़ सकता है। जबकि सुकरासी स्तर से प्रचार प्रसार ने अपनी सन्धि औपचारिकता पूरी हो चुकी है। जिसमें हालात और परिस्थितियां मतदान को प्रभावित करती है मसलन किसानों की कटी फूसल खेतों में तो मंडी में पड़ी हुई थी ऊपर से मौसम विभाग ने बारिश की चेतावनी दे रखी थी मानों प्रकृति मतदान प्रभावित कर सकती है।

पार्टियों का प्रचार प्रसार- नर्मदापुरम क्षेत्र जो होशंगाबाद के नाम से जाना जाता था एक समय हुआ करता था जब दिन रात प्रत्याशी का प्रचार हुआ करता था, दिवालों पर नारे लिखे जाते थे। आम आदमी तक चुनावी रंग में ढल जाता था। पत्रकार एक मंचीय

कार्यक्रम के जरिए उम्मीदवारों को जनता से रुबरू होने का मौका देते थे। उम्मीदवारों पर उसे को घोषणापत्र पर विचार व्यक्त करते थे। उन्हें सुनने के लिए खासी तादाद में लोग जुड़ते थे। उम्मीदवार का मूल्यांकन करते थे। आज ऐसा नहीं पाते उम्मीदवार थोपैती है उम्मीदवार का क्षेत्र को लेकर अपने को नहीं निजी विचार सामने नहीं आते राष्ट्रीयता, धार्मिकता, युद्ध, विदेश नीति, जातिवाद के नाम पर वोट कबाडूज का रास्ता बनाया है, वैसे भी चुनाव आयोग के निर्देश पर प्रशासन ने पुराने प्रकार के सभी साधनों पर अंकुश लगा दिया गया है। अब तो उम्मीदवार के स्थान पर पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री की फोटो दिखाकर वोट के लिए प्रचार प्रसार करने लगे.. !.

प्रत्याशियों की पहचान – लोकसभा
चुनाव में ज्यादातर स्थानीय उम्मीदवार नहीं मिले ना पार्टियों ने सेकेंड लाईन्ड तैयार की, नर्मदापुरम लोकसभा में नरसिंहपुर जिला जुड़ा होने से अधिकांश क्षेत्र को आयातित उम्मीदवार मिला भाजपा ने जरूर लगातार सरताज सिंह को टिकिट दिया था और उसी का परिणाम था कि उम्मीदवार के चहरे पर अर्जुनसिंह जैसे दिग्गज पराजित हुए आज उम्मीदवार कोई और वोट किसी दूसरे के नाम पर मांगने की कोशिश की जा रहा। लोकसभा प्रत्याशियों को तो पहचाना जाना चाहिए वर्तमान केन्द्र दोनों ही बड़ी पार्टियों

के प्रत्याशियों को नर्मदापुरम से कोई लेना देना नहीं है दोनों ही बाहरी माने जा रहा है। न ही नर्मदापुरम की सक्रिय राजनीति में इन्हें पहले कभी देखा गया। आज नई पीढ़ी के गले तो नहीं उतर रहा है, यह कहीं मतदान कम होने का कारण न बन जाय?

पहला चरण का मतदान उदासीनता भरा- पहले चरण में हुए मतदान के प्रतिशत ने सभी को चौंका दिया 21 राज्यों के 102 स्थानों पर महज 63 प्रतिशत वोटिंग हुई यह 2019 के वोटिंग जा प्रतिशत लगभग 70 प्रतिशत से ज्यादा थी से काफी कम है। अंदाजा लगाया जा रहा है 6 करोड़ से अधिक लोगों ने अपने मत का प्रयोग ही नहीं किया। जिसे उत्साहीन दृष्टि से देखा जा रहा है। क्योंकि कई बड़े नाम इसमें शामिल थे। जब ये बड़े नाम बड़े नेता वोटिंग नहीं करा पाय तो नर्मदापुरम की जनता पहले से उत्साहीन नजर आ रही है। मतदान बढ़ना चाहिए। क्योंकि भाजपाई वोट डाल आता है और कांग्रेसी निराश में घर रह जाता है। क्योंकि देश में नेगेटिव भाजपा की जीत का कारण है। हालांकि चिंता दोनों तरफ है। भाजपाई भी अब बैठे रह सकता है कि जीत तो रहे हैं। ऐसे हालात में दोनों दलों के बड़े नेताओं को मतदान वाले दिन जमीन पर तो दिखाई देना चाहिए।

लोकसभा चुनाव के लिए होगा 314 बसों का अधिग्रहण

स्कूल बसें व भोपाल सिटी बसें बुलायीं, सड़क पर चलेगी 35 फीसदी बसें

नर्मदापुरम(निग्र)। होशंगाबाद-नरसिंहपुर संसदीय सीट पर 26 अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए बसों का अधिग्रहण शुरू हो चुका है। मतदान केंद्रों तक मतदान सामग्री एवं कर्मचारियों को पहुंचाने को लेकर बसों एवं वाहनों का अधिग्रहण कर पुलिस लाइन ग्राउंड्स व एएसएनजी स्कूल ग्राउंड पर खड़े कराया जा रहा है। निर्वाचन में जिले की चारों विधानसभा के लिए 314 बस और 181 जीप व बुलैटो, टैप्स वाहनों को अधिग्रहण किया गया है। जिसमें 40 बसें व 20 जीप रिजर्व रहेगी। 24 अप्रैल को मतदान सामग्री का वितरण होगा।

जिसके लिए रविवार से ही बसों का अधिग्रहण शुरू हो गया। ऐसे में नर्मदापुरम से पिरपिरया, हरदा, बैतुल, भोपाल, रेहों, इंदौर व ग्रामीण अंचलों में चलने वाली बसों की संख्या में कम की जाएगी। जिसके कारण लोगों को परेशानी उठाना पड़ेगी। 27 अप्रैल तक बसें अधिग्रहित रहेंगी। परिवहन अधिकारी निशा चौहान ने बताया मतदान केंद्रों तक पहुंचाने में लिए अधिकांश स्कूल बसें व भोपाल सिटी में चलने वाली 80 बसों को बुला लिया है। 285



वाहनों का अधिग्रहण की जा रही है। जिसमें सिवनीमलवा विधानसभा क्रमांक क्षेत्र के लिए 82 वाहन, नर्मदापुरम विधानसभा क्षेत्र क्रमांक क्षेत्र के लिए 57 वाहन, सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक के लिए 64 वाहन, पिपरिया

विधानसभा क्षेत्र के लिए 82 वाहनों का अधिग्रहण किया जाना है। वहीं रिजर्व के तौर पर 62 वाहनों को रखा जाएगा। हालांकि भोपाल लोकल सिटी में चलने वाली 80 बसों को खड़े कराया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने पुलिस सेक्टर अधिकारियों के प्रशिक्षण का किया निरीक्षण



रायसेन (निप्र) लोकसभा आम निर्वाचन-2024 अंगत होशानाबाद संसदीय क्षेत्र में शामिल रायसेन जिले के उदयपुर विधानसभा में 26 अप्रैल 2024 को मतदान सम्पन्न होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे ने शासकीय ऑनलाइन मतदान परधानपुर जागीर बरेली में आयोजित उदयपुर विधानसभा के संकेत अधिकारी, सेक्टर पुलिस अधिकारी, तहसीलदार, जनपद सीडॉ तथा सीएमओ की संयुक्त बैठक सह प्रशिक्षण का निरीक्षण किया।

उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने सेक्टर अधिकारियों तथा पुलिस सेक्टर अधिकारियों से कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराना है। इसके लिए सभी पूरी सजगता और सक्रियता से अपने निर्वाचन दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के पहले 72 घंटे की प्रक्रिया बहुत महत्वपूर्ण

होती है। सेक्टर अधिकारी व पुलिस अधिकारी निर्वाचन को लेकर अपनी सभी तैयारियों का एक बार रिव्यू कर लें। निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष और निर्विघ्न सम्पन्न कराया जाना है। पुलिस अधिकारी की कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी है, कानून व्यवस्था को सुदृढ़ रखें। सभी सेक्टर अधिकारियों के पास उनके क्षेत्र का नक्शा व स्ट्रट चार्ट हैं। अपने क्षेत्र के मतदान केन्द्र का भ्रमण करें और सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कराएँ। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनी रहे इसके लिए की गई सभी आवश्यक तैयारियों को अवलोकन करें। अपने सूचना वृत्त को मजबूत बनाएँ। वला क्षेत्र में सतत भ्रमण करें। सभी सेक्टर अधिकारी तथ्य पुलिस सेक्टर अधिकारी अपने पदवी कर्तव्यों और इन कर्तव्यों को पूरा करने के लिए अपनाई जाने वाली निर्धारित प्रक्रिया से भलीभाँति अवगत हों। प्रशिक्षण करें और कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से 32 वर्षीय युवक की मौत



सिवनी मालवा(निप्र)। सिवनी मालवा के आदिवासी ग्राम नरी में रविवार रात को आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई है। युवक खेत से लौट कर घर आ रहा था तभी अचानक आकाशीय बिजली गरी जिसकी चपेट में युवक आ गया। ग्रामीणों की ओर से देर रात युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहाँ चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया। सहायक उपनिरीक्षक सुरजीत सिंह ठाकुर ने बताया कि मर्दे पतिता अमर सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम नरी रविवार रात खेत से लौट कर घर आ रहा था, तभी आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत हो गई। हृदय के बाद परिजनों ने युवक को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था। पुलिस ने पूरे मामले में गंम कागज कर मामले को जांच में ले लिया है। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही युवक के शव का पीएम करवाया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉ. ब्रजेश राजपूत ने बताया कि रविवार रात को ग्राम नरी से मर्दे सिंह उम्र लगभग 32 वर्ष को अस्पताल लाया गया था, जांच करने पर पता चला कि उसकी पहले ही मौत हो गई थी। शव का पीएम किया जा रहा है। बता दें कि रविवार रात सिवनी मालवा तहसील क्षेत्र में आंधी पानी के साथ ओलांपित थी हुई थी।

